संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 02
पृष्ठ 8
गुरूवार
17 सितम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिनभर की थकान और पैरों...

विचार- तो अब शुभेंदु करेंगे गरबा मर्यादा...

खेल- नितीश कुमार रेड्डी ने चोट से...

सीएम योगी ने की स्वैच्छिक रक्तदान की अपील, पेशेवर रक्तदान पर जताई चिंता

गोरखपुर ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से तड़पते बच्चों और दम तोड़ते बचपन को देखकर हर जागरूक माता–पिता चिंतित रहता था। पर, अब यह चिंता खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि माफिया और मच्छर की तरह इंसेफेलाइटिस भी समाप्त हो गया है। अब हम नए युग में नए गोरखपुर और नए उत्तर प्रदेश का दर्शन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में दस–दस बेड की डायलिसिस यूनिट की सुविधा शुरू कर रही है। सीएम योगी बुधवार पूर्वाह्न इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) गोरखपुर की तरफ से संचालित चौरिटेबल ब्लड बैंक के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने फीता काटकर चौरिटेबल ब्लड सेंटर का उद्घाटन किया और सेंटर का भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं, उपकरणों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उद्घाटन समारोह के मंच से पूर्वी उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में आए सकारात्मक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े नौ वर्ष पहले गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रमुख केंद्र था। स्थिति यह थी कि एक ही बेड पर चार–चार मरीज तक भर्ती रहते थे। तीसरी मंजिल पर इंसेफेलाइटिस वार्ड था और वहां पंखे, शौचालय एवं अन्य जरूरी सुविधाओं का अभाव था। उन्होंने कहा कि पहले जो बीआरडी मेडिकल कॉलेज स्वयं अस्वस्थ था, आज वही सुपर स्पेशियलिटी सेंटर और इंसेफेलाइटिस समेत विभिन्न बीमारियों के उपचार का प्रमुख केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर में एम्स भी स्थापित हो चुका है। महाराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, अयोध्या और अंबेडकरनगर समेत विभिन्न जिलों में मेडिकल कॉलेज शुरू हो चुके हैं। प्रदेश में 75 जिले हैं, जबकि मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 हो गई है। दो एम्स भी संचालित हैं। एमबीबीएस की सीटें 4600 से बढ़कर 13500 से अधिक हो चुकी हैं और पीजी की सीटें दोगुनी हुई हैं। नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा का भी विस्तार किया जा रहा है। रक्तदान के महत्व को समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीक, दवाएं और संसाधन तो उपलब्ध कराए जा सकते हैं लेकिन खून बनाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि रक्तदान उस संवेदना का प्रतीक है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति किसी जरूरतमंद को नया जीवन देता है। उन्होंने इस बात पर चिंता भी जाहिर की कि रक्त की मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती है। सीएम ने कहा कि इसके लिए चिकित्सकों को स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति लोगों को प्रेरित करना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर समय–समय पर रक्तदान की अपील और जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। सीएम योगी ने पेशेवर रक्तदाताओं को लेकर भी आगाह किया।

शहजाद भट्टी नेटवर्क आतंकी संगठन घोषित

यूएपीए के तहत की गई बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पाकिस्तान स्थित शाहजाद भट्टी नेटवर्क यानी एसबीएन को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकी संगठन घोषित किया है। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि यह कार्रवाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के विजन के तहत की गई है। मंत्रालय के अनुसार, नेटवर्क सीमा पार से हथियार, विस्फोटक और मादक पदार्थों की तस्करी के अलावा युवाओं और छोटे अपराधों में शामिल लोगों को आतंकवाद की ओर धकेलने में शामिल रहा है। केंद्र का मानना है कि शाहजाद भट्टी नेटवर्क आतंकवाद में शामिल रहा है और भारत में आतंकवादी गतिविधियों के विभिन्न मामलों में उसकी भागीदारी रही है। मंत्रालय ने कहा कि नेटवर्क का कथित उद्देश्य युवाओं और स्थानीय अपराधियों को लालच देकर अपने साथ जोड़ना, उन्हें भारत विरोधी गतिविधियों के लिए प्रेरित करना और सीमा पार से हथियार, विस्फोटक तथा मादक पदार्थों की तस्करी करना रहा है। इसके जरिए देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक–सांप्रदायिक सौहार्द और आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करने का आरोप लगाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से बुधवार को जारी राजपत्र अधिसूचना में यूएपीए की धारा 35(1)(ए) का इस्तेमाल किया गया है। इसके तहत शाहजाद भट्टी नेटवर्क को यूएपीए की पहली अनुसूची में शामिल किया गया है। इस सूची में उन संगठनों के नाम होते हैं जिन्हें भारतीय कानून के तहत आतंकी संगठन घोषित किया गया है। अधिसूचना के मुताबिक शाहजाद भट्टी नेटवर्क इस सूची में शामिल होने वाला 46वां संगठन है। यानी अब एसबीएन को औपचारिक तौर पर भारतीय कानून के तहत आतंकी संगठन का दर्जा मिल गया है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पहुंचे मुंबई सिद्धिविनायक मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पद संभालने के बाद पहली बार महाराष्ट्र के दौरे पर 16 सितंबर को मुंबई पहुँचे। यह दौरा गणेशोत्सव के दौरान हो रहा है। मुंबई एयरपोर्ट पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा–अर्चना की। अपने दौरे के समय के बारे में बात करते हुए नवीन ने कहा कि आज महाराष्ट्र की इस पवित्र भूमि पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर मेरा यह पहला दौरा है और यह बहुत ही शुभ दिन है। भगवान गणपति बप्पा की पूजा का यह पूरा उत्सव न सिर्फ महाराष्ट्र में, बल्कि पूरे देश में मनाया जा रहा है। ऐसे समय में महाराष्ट्र का मेरा यह दौरा मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने महाराष्ट्र के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान राज्य का निमंत्रण स्वीकार करने के लिए नवीन का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मैं गणेशोत्सव के लिए हमारा निमंत्रण स्वीकार करने के लिए आपका धन्यवाद करता हूं, जो महाराष्ट्र का सबसे बड़ा त्योहार है। राज्य में गणेशोत्सव और शिवाजी जयंती जैसे त्योहार बहुत धूमधाम से मनाए जाते हैं; आज मुंबई में आपकी यात्रा निश्चित रूप से हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं और भगवान गणेश के भक्तों का उत्साह बढ़ाएगी। फडणवीस ने इन त्योहारों के व्यापक सांस्कृतिक महत्व पर भी ज़ोर देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारी यह परंपरा, खासकर सम्मानित मोदी जी द्वारा फिर से शुरू किए गए सांस्कृतिक पुनरुत्थान को देखते हुए, फल–फूल रही है और अब हमारे सभी त्योहार बहुत भव्यता के साथ मनाए जा रहे हैं। सिद्धि विनायक मंदिर जाने के अलावा, नवीन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास पर भी जाएंगे। भगवान गणेश के जन्म के उपलक्ष्य में मनाए जाने वाले गणेश चतुर्थी का त्योहार पूरे भारत में पारंपरिक रीति–रिवाजों, पूजा–अर्चना और सामूहिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जा रहा है।

गढ़चिरौली से सीजेपी का आदिवासी स्कूल ठीक करो अभियान, बुनियादी सुविधाओं पर रहेगा जोर

गढ़चिरौली,एजेंसी। भारत में आदिवासी स्कूलों के प्रति सरकार की बेरुखी को उजागर करते हुए, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने बुधवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में 17 सितंबर से 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान शुरू करने की घोषणा की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, दिपके ने बताया कि इस अभियान का मकसद सरकार का ध्यान उन मुद्दों की ओर खींचना है, जिनमें आदिवासी छात्रों के साथ होने वाला भेदभाव भी शामिल है। एक महीने पहले, ब्श्रच ने 'स्कूल ठीक करो' नाम से एक देशव्यापी अभियान शुरू किया था, जिसका मकसद ग्रामीण और शहरी सरकारी स्कूलों की हालत में सुधार करना था। दिपके ने कहा कि पिछले 80 सालों में भारत भर के आदिवासी इलाकों में स्कूलों को सभी सरकारों ने नज़रअंदाज़ किया है। इसलिए, हम महाराष्ट्र के गढ़चिरौली ज़िले में गुरुवार से श्आदिवासी स्कूल ठीक करोश अभियान शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत, सीजेपी के प्रतिनिधि आदिवासी स्कूलों का दौरा करेंगे और वहां की सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का जायज़ा लेंगे। सीजेपी संयोजक ने कहा कि लगभग सभी सरकारों ने आदिवासी छात्रों को नज़रअंदाज़ किया है। राजनीतिक पार्टियां हर ज़िले में करोड़ों रुपये खर्च करके अपने पार्टी मुख्यालय बनाती हैं, लेकिन उनके पास आदिवासी आवासीय स्कूलों को देने के लिए फंड नहीं होता, जो ज़्यादातर किराए की जगहों पर चल रहे हैं। दिपके ने आदिवासी इलाकों में छात्रों और स्कूलों पर ध्यान देने की बात कही, क्योंकि उनमें बहुत क्षमता है।

अमेरिकी शुल्क बढ़ा तो निर्यात और किसानों पर पड़ेगी मार : खरगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि अमेरिका के भारत पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की धमकी से भारतीय निर्यात और किसानों के हित प्रभावित होंगे इसलिए सरकार को उसके दबाव के आगे झुकने की बजाय देशहित को महत्व देना चाहिए। श्री खरगे ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि अमेरिका की भारतीय वस्तुओं पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने की धमकी से मोदी सरकार की विदेश और व्यापार नीति की विफलता सामने आती है। उनका कहना था कि दवा, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान, रसायन, वाहन कलपुर्जे, रत्न एवं आभूषण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रौद्योगिकी क्षेत्र को शुल्क में भारी बढ़ोतरी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पहले 25 प्रतिशत और फिर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया गया तथा अब 100 प्रतिशत शुल्क की धमकी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने ऐसे व्यापार ढांचे पर सहमति दी है, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारत में बाजार बढ़ेगा और किसानों के हित प्रभावित होंगे। उनके अनुसार, इस ढांचे के तहत अगले पांच वर्षों में करीब 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान खरीदने के लिए भारत पर दबाव होगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने यूपीआई पर शून्य एमडीआर की व्यवस्था खत्म करने के सरकार के फैसले को अमेरिकी दबाव से जोड़ते हुए कहा कि शुल्क, व्यापार, एच–1बी वीजा, वीजा व्यवस्था और डिजिटल भुगतान सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका का दबाव बढ़ रहा है। इससे पहले कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने आज लिखा कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भारत पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने वाले विधेयक पर बुधवार को मतदान होना है, जबकि अमेरिकी सीनेट इसे पहले ही मंजूरी दे चुकी है। ट्रंप प्रशासन भारतीय प्रवासियों के खिलाफ सख्ती करते हुए एच–1बी वीजा की लागत बढ़ा चुका है। बदली व्यवस्था के तहत वीजाधारकों के बेरोजगार होने पर उन्हें तत्काल देश से बाहर किया जा सकता है। श्री रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने अमेरिका की मांग के आगे झुकते हुए यूपीआई पर शून्य एमडीआर की व्यवस्था खत्म कर शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने सवाल किया कि 0.4 प्रतिशत एमडीआर क्यों है और क्या यह इसलिए है क्योंकि डेबिट कार्ड पर भी एमडीआर 0.4 प्रतिशत है। उन्होंने पूछा कि क्या यह अमेरिकी कार्ड कंपनियों को यूपीआई के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्या इससे यूपीआई शटिकाऊश बनेगा, जैसा कि सरकार का दावा है।

बिहार में बांढ़ से 50 लाख लोग प्रभावित, शिवराज सिंह ने हर संभव मदद का दिया भरोसा

पटना, एजेंसी। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को बिहार में बाढ़ प्रभावित इलाकों का विस्तृत जायजा लिया और संकट से निपटने में राज्य की मदद के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया। चौहान ने हाजीपुर में ग्रामीण आजीविका को हुए भारी नुकसान का आकलन किया और पाया कि कई जगहों पर पानी का स्तर 2016 की बाढ़ के समय के स्तर से भी ऊपर चला गया है, जिससे पूरे बिहार में लगभग 50 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। शिवराज ने पत्रकारों से कहा कि वे कह रहे हैं कि पानी का स्तर 2016 की बाढ़ से भी एक फ़ीट ज़्यादा था। हम देख सकते हैं कि यहाँ केले और मक्के की फ़सलें बर्बाद हो गई हैं और लगातार 10 दिनों से ज़्यादा समय तक पानी में डूबे रहने के कारण पूरी तरह नष्ट हो गई हैं। लोगों को अपने घर छोड़ने पड़ेकृपूरे बिहार में लगभग 50 लाख (5 मिलियन) लोगों को।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी मानहानि मामले में बहस को अंतिम मौका

सुलतानपुर,संवाददाता। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में बुधवार को सुनवाई टल गई। एमपी–एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने शिकायतकर्ता को चेतावनी के साथ अंतिम मौका दिया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को होगी। ज्ञातव्य है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी का एक वाद एमपी एमएलए कोर्ट में चल रहा है। शिकायतकर्ता भाजपा नेता विजय मिश्रा के वकील संतोष पांडेय ने कोर्ट से बहस के लिए और समय मांगा है। उन्होंने बताया कि वे धार्मिक आयोजन में व्यस्त होने के कारण तैयारी नहीं कर पाए थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वकील काशी शुक्ला ने बताया कि इससे पहले भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के वॉइस सैंपल का मिलान विधि विज्ञान प्रयोगशाला से कराने की अर्जी दी थी। यह अर्जी ट्रायल कोर्ट और सेशन कोर्ट दोनों से खारिज हो गई थी। विजय मिश्र ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, लेकिन हाईकोर्ट ने भी उनकी याचिका खारिज कर दी। पिछली सुनवाई 3 सितंबर को हुई थी। तब शिकायतकर्ता भाजपा नेता के वकील ने कोर्ट को बताया था कि इस मामले में 1 सितंबर को हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई है। राहुल गांधी पर आरोप है कि उन्होंने साल 2018 में बेंगलुरु में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष और मौजूदा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी मामले में 4 अगस्त 2018 को जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन और भाजपा नेता विजय मिश्र ने उनके खिलाफ मानहानि का केस दायर किया था। इस केस में कोर्ट ने 27 नवंबर 2023 को राहुल गांधी को पेश होने के लिए बुलाया था। जब वे पेश नहीं हुए, तो उनके खिलाफ वारंट जारी हुआ।

वाराणसी सीवर विवाद पर अजय राय का आरोप, जलभराव छिपाने के लिए भाजपा ने डलवाई रेत की बोरियां

लखनऊ, संवाददाता। वाराणसी में सीवर मैनहोल में रेत की बोरियां मिलने की घटना की जांच हो रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाया है कि कि उसी खास मैनहोल से रेत की बोरियां निकालनी हैं? इससे साफ पता चलता है कि बीजेपी के लोगों ने ही वहां ये बोरियां रखवाई थीं। अगर ऐसा नहीं है, तो वहां 12 ब्ब्ज्ट कैमरे लगे हैं; फुटेज की जांच करें और सच सबके सामने आ जाएगा। रेत की बोरियां मिलने के बाद जल निगम ने थ्ट दर्ज कराई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर को वाराणसी से वडनगर तक बीजेपी की प्रस्तावित श्सेवा संकल्प अभियानश बाइक रैली पर टिप्पणी करते हुए, राय ने पार्टी को राजनीतिक अभियान चलाने के बजाय पूरे हो चुके शहरी बुनियादी ढांचे को दिखाने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि बड़े नेता यहां आ रहे हैं। अगर उनमें हिम्मत है, तो वे वाराणसी रोपवे में बैठकर उसका उद्घाटन करें।

भारी बारिश के बाद जलभराव की समस्या से ध्यान हटाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने ये बोरियां वहां रखवाई थीं। राय ने वाराणसी में भारी जलभराव के मुद्दे पर बात करते हुए सवाल उठाया कि अधिकारियों को कैसे पता चला कि किस खास मैनहोल में रेत की बोरियां हैं। अजय राय ने कहा कि उन्हें कैसे पता चला

कांग्रेस ने हमेशा लोकतंत्र का अनादर किया, निकाय चुनाव विवाद पर बोले राजस्थान भाजपा अध्यक्ष

रायपुर,एजेंसी। कांग्रेस के इन आरोपों पर कि बीजेपी ने नगर निकाय चुनावों में निर्दलीय पार्षदों को प्रभावित किया, राज्य अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि उनकी पार्टी किसी की आज़ादी पर रोक नहीं लगाती और लोकतंत्र का सम्मान करती है। मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस का ऐसे हथकंडे अपनाने का इतिहास रहा है। हम ऐसा नहीं करते। हम लोकतंत्र का सम्मान करते हैं। चूंकि कांग्रेस ने ऐसे तरीकों का इस्तेमाल किया है, इसलिए उन्हें लगता है कि दूसरे भी ऐसा ही करते होंगे। हम ऐसा नहीं करते। उन्होंने कहा कि निर्दलीय पार्षदों को यह तय करने का अधिकार है कि वे किसी पार्टी में शामिल हों या नहीं, और साथ ही यह भी कहा कि पार्टी का अनुशासन केवल उन्हीं लोगों पर लागू होता है जो किसी राजनीतिक संगठन से जुड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी समझ के आधार पर फ़ैसले लेने का अधिकार है। हाँ, किसी पार्टी से जुड़े लोगों के लिए पार्टी के नियम और अनुशासन होते हैं। लेकिन जो निर्दलीय हैं, वे निर्दलीय ही रहते हैं; वे अपनी समझ से यह तय करने के लिए आज़ाद हैं कि वे हमारे साथ जुड़ें या कहीं और जाएँ। राठौड़ ने आगे आरोप लगाया कि निर्दलीय उम्मीदवारों की पसंद पर रोक लगाना कांग्रेस की पुरानी आदतों को दिखाता है और उन्होंने पार्टी पर लोकतंत्र का अनादर करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें रोका जाए या किसी घेरे में बंद कर दिया जाएकृयानी उनकी आज़ादी पर पाबंदियाँ लगाई जाएँकृतो यह कांग्रेस की पुरानी आदतों को ही दिखाएगा। उन्होंने शुरू से ही लोकतंत्र का अनादर किया है; इमरजेंसी के दौरान तो उन्होंने मीडिया की आवाज़ तक दबा दी थी। राजस्थान बीजेपी प्रमुख ने इस बात को भी दोहराया कि चुनाव जीतने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार सभी मामलों में निर्दलीय ही रहता है। राठौड़ ने कहा कि एक निर्दलीय उम्मीदवार हर तरह से स्वतंत्र होता है; वह सिर्फ़ एक मुद्दे तक सीमित नहीं होता। वे सभी मामलों में स्वतंत्र होते हैं। निर्दलीय के तौर पर चुनाव जीतने के बाद भी वे स्वतंत्र ही रहते हैं। यही सच्चाई है। इससे पहले, राजस्थान शहरी निकाय चुनाव–2026 में वोटों की गिनती के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (म्टडे) में तकनीकी खराबी की सूचना मिलने के बाद, बुधवार को जयपुर के पांच मतदान केंद्रों पर दोबारा मतदान कराया गया।

राम जी दास का निधन

नई दिल्ली। रामजी दास का निधन दिनांक 02 सितम्बर को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल मैं रात्रि 8 बजकर 50 मिनट पर लम्बे इलाज के बाद हो गया था. इन्हें 16 अप्रैल को भर्ती किया गया था। 15 अक्टूबर 1958 को वाराणसी के गंगामहल इलाके में बिश्वनाथ दास के घर जन्मे रामजी बचपन से ही अत्यंत मेधावी छात्र थे. बंगाली टोला इंटर कॉलेज से प्रारंभिक एवं माध्यमिक शिक्षा ग्रहण करने के उपरांत बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से परास्नातक करने के उपरांत बैंक की नौकरी करते हुए न्यू इंडिया इन्सुरेंस मैं डी जी एम के पद से सेवानिवृत हुए।

रामजी का विवाह जज भरथरी प्रसाद की पुत्री शांति से 1984 हुआ था एवं इनके एक पुत्र तथा एक पुत्री है. पुत्र प्रद्योत वाराणसी के डी ए वी इंटर कॉलेज मैं अंग्रेजी के प्रवक्ता हैं एवं पुत्री प्रकिर्णिता बी एच यू से रिसर्च कर रही हैं।

तेरहवीं का कार्यक्रम आज दिनांक 17 सितम्बर को शुभम लॉन, महमूरगंज, वाराणसी मैं आयोजित है, जिसमे उनके मित्रों के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों के कई गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित होंगे।

चुनाव से पहले विकास कार्य दिखाने की कवायद, विधायक-एमएलसी निधि जारी

प्रयागराज। विधानसभा चुनाव से पहले विकास कार्यों को गति देने की कवायद शुरू हो गई है। शासन ने विधायक और एमएलसी निधि जारी करने का पत्र भेजा है। जिले के 12 विधायकों और उप मुख्यमंत्री सहित तीन एमएलसी को विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि की दूसरी किस्त मिली है। वर्ष 2026–2027 के लिए यह निधि जारी की गई है। कुल 37 करोड़ 50 लाख रुपये से विकास कार्य होंगे। प्रत्येक विधायक को ढाई करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार, यह निधि आमतौर पर अप्रैल में पहली और नवंबर–दिसंबर में दूसरी किस्त के रूप में आती है। इस बार सितंबर में ही दूसरी किस्त प्राप्त हो गई है। फाफामऊ, फूलपुर, प्रतापपुर, हंडिया, मेजा, करछना, प्रयागराज पश्चिमी, प्रयागराज उत्तरी, प्रयागराज दक्षिण, बारा, सोरांव और कोरांव के विधायकों को यह निधि मिली है।

तीन एमएलसी को भी यह धनराशि प्राप्त हुई है। सूत्रों के मुताबिक, अभी करीब तीन करोड़ रुपये की धनराशि विधायक खर्च नहीं कर पाए हैं। लगभग 34 करोड़ रुपये विधायक और एमएलसी खर्च कर चुके हैं। परियोजना निदेशक भूपेंद्र सिंह का कहना है कि सभी विधायक एवं एमएलसी की विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि की दूसरी किस्त जारी कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि अमूमन दूसरी किस्त कुछ पहले जारी हुई हैं।

जिले में 23 विकास खंड हैं। यहां ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रशासक नियुक्त किए गए हैं। इन प्रशासकों को विकास कार्यों के लिए कोई बजट आवंटित नहीं हो सका है। इस कारण विकास कार्य बाधित हो गए हैं। जिला पंचायत में भी बजट के अभाव में निर्माण कार्य ठप पड़े हैं। यह स्थिति विकास खंडों जैसी ही है। दूसरी ओर, ग्राम पंचायतों को पहले की तरह करोड़ों रुपये का बजट मिला है। ग्राम प्रधान से प्रशासक बने प्रधान यह धनराशि पहले जैसे ही खर्च कर रहे हैं।

अस्पतालों में 10 हजार जमा कराने के बाद शुरू होता है आयुष्मान लाभार्थियों का इलाज

प्रयागराज। आयुष्मान पैनल में शामिल होने के लिए निजी अस्पताल संचालक भले ही बेचौन हों लेकिन उन्हें इसपर विश्वास बिलकुल नहीं है। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ता है। आयुष्मान लाभार्थियों का उपचार शुरू करने से पहले निजी अस्पताल संचालक 10 से 15 हजार रुपये इलाज शुरू करने के नाम पर जमा करा लेते हैं। अस्पताल संचालकों का कहना है कि कई बार मरीज का उपचार शुरू होने के बाद कार्ड सत्यापित नहीं होता है। जिसको देखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है। हालांकि अधिकांश मामलों में टोकेन मनी के रूप में जमा रुपये उपचार में इधर–उधर का खर्च दिखाकर वापस करने से मना कर दिया जाता है।

केसः 1 – सहसों निवासी 60 वर्षीय सूर्यकांत मिश्रा को सांस लेने में तकलीफ थी। 26 अगस्त को रात करीब 8 बजे उन्हें जॉर्जटाउन के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने लाया गया। जहां पर आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद मरीज के परिजनों से यह कहकर 10 हजार रुपये जमा कराए गए कि रात में आयुष्मान कार्ड चालू नहीं होगा जब तक कार्ड से इलाज शुरू नहीं होगा तब तक के लिए रुपये जमा करने होंगे। आयुष्मान कार्ड के शुरू होने पर आईसीयू में रखकर फोटो खीची जाती फिर वापस जनरल वार्ड में भर्ती कर दिया जाता। करीब दो से तीन दिनों तक यही खेल चला। जिसके बाद परिजनों ने मरीज को अस्पताल से निकाल लिया।

केसः 2 – कौशाम्बी के मंझनपुर निवासी 70 वर्षीय परशुराम को हार्ट में समस्या के चलते 13 सितंबर को रामबाग स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन ने आयुष्मान कार्ड लेने से मना कर दिया। उनका कहना था कि 15 हजार जमा करो, तभी उपचार शुरू होगा। वहीं, 15 हजार रुपये जमा कराने के बाद आयुष्मान कार्ड भी सत्यापित हो गया। मगर अस्पताल प्रबंधन ने बेड चार्ज के नाम पर प्रतिदिन पांच हजार रुपये अलग से जमा कराया। जिसके बाद परिजन 15 सितंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर दूसरी जगह ले गए।

मुझे इसकी जानकारी नहीं है, अगर मेरे पास कोई शिकायत आएगी, तो मैं कार्रवाई करूंगा। हालांकि, इस जानकारी के बाद मैं अस्पताल प्रबंधन से इस संबंध में जवाब मांगूंगा। –डॉ. राजेश सिंह, नोडल, प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना

अपनी जमीन सुरक्षित करने के लिए नगर निगम खर्च करेगा पांच करोड़ रुपये

प्रयागराज। नगर निगम ने शहरी और विस्तारित क्षेत्रों में सार्वजनिक भूमि के संरक्षण के लिए पांच करोड़ रुपये खर्च करने का संकल्प पारित किया है। यह निर्णय मंगलवार को महापौर गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में हुई सदन की बैठक में लिया गया। निगम नजूल और अन्य सार्वजनिक भूमि को चिह्नित कर बाउंड्री बनवाएगा, जिसका उपयोग आवासीय व व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। महापौर ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य भूमाफिया से संरक्षित भूमि को बचाना है। अनुमान है कि इस पर पांच करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आएगा। नगर निगम की जमीनों पर गेस्ट हाउस, दुकानें और फ्लैट बनाए जाएंगे।

हिस्ट्रीशीटर लल्ला ने सपा जिला सचिव पवन यादव को मारी थी गोली, तीन गिरफ्तार

हंडिया (प्रयागराज)। सपा नेता पवन यादव हत्याकांड मामले में पुलिस ने गांव के ही हिस्ट्रीशीटर लल्ला यादव समेत तीन आरोपियों को पकड़ लिया है। इनके पास से हत्या में प्रयुक्त तमंचा और बाइक भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस शाम तक मामले का खुलासा कर सकती है।

हंडिया में सपा के जिला सचिव पवन यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर समेत तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। तीनों आरोपी गांव के ही बताए जा रहे हैं। जांच में पता चल रहा है कि हिस्ट्रीशीटर लल्ला यादव ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर पवन यादव को गोली मारी थी। जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला हंडिया थाना क्षेत्र के मुगरांव का ही रहने वाला है। उसके खिलाफ जिले के कई थानों में हत्या, हत्या के प्रयास, लूट सहित कई संगीन धाराओं में दर्जनभर से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार गोली लल्ला ने ही चलाई थी।

बाइक पर उसके साथ गांव के ही निहाल अली और बृजेश यादव बताए जा रहे हैं।

आरोपियों के कब्जे बाइक और हत्या में प्रयुक्त तमंचा भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस मामले का खुलासा बुधवार शाम तक कर सकती है। बुधवार सुबह से ही एसआरएन अस्पताल परिसर में स्थित पोस्टमार्टम हाउस में हंडिया, सिविल लाइंस समेत कई थानों की पुलिस फोर्स मौजूद रही। साथ ही बड़ी संख्या में सपा नेता और हंडिया क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मूल रूप से भदोही का रहने वाला है लल्ला

पुलिस जांच में सामने आया कि मूलरूप से भदोही निवासी जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला से पवन यादव की पुरानी रंजिश थी। जितेंद्र वर्ष 2022 में हत्या के एक मामले में जेल गया था। जितेंद्र को पवन पर उसकी मुखबरी करने का संदेह था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। वारदात के समय बाइक सवार तीन बदमाशों में से एक का हुलिया जितेंद्र यादव से मिलता–जुलता बताए जाने के बाद पुलिस का शक इस दिशा में भी गया है।

मंगलवार शाम को मारी गई थी गोली

हंडिया में मंगलवार शाम बाइक सवार नकाबपोश तीन बदमाशों ने समाजवादी पार्टी गंगापार के जिला सचिव और पूर्व ग्राम प्रधान पवन कुमार यादव (50) की गोली मारकर हत्या कर दी थी। वारदात हंडिया थाने से महज 500 मीटर दूर कर्मनाशा मोहल्ले में हुई।

गोली पवन की पीठ में लगी। गंभीर हालत में उन्हें कई अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के बाद तीनों बदमाश बाइक से वाराणसी की तरफ भाग गए थे। हंडिया थाना क्षेत्र के मुगरांव गांव निवासी पवन कुमार यादव पूर्व ग्राम प्रधान भी रह चुके हैं। उनकी मां धनराजी देवी भी गांव की पूर्व प्रधान रही हैं। पवन वर्तमान में समाजवादी पार्टी के जिला सचिव थे।

कार में बैठने के दौरान किया फायर

परिवार में पत्नी नीतू देवी, तीन बेटियां खुशी, मुस्कान और छोटी और बेटा प्रिंस है। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे पवन अपनी कार से हंडिया कस्बे पहुंचे। कर्मनाशा मोहल्ले में उन्होंने अपनी कार सड़क किनारे खड़ी की और पास स्थित एक कैफे में दोस्तों से बातचीत करने चले गए। करीब दो घंटे बाद शाम करीब 5.20 बजे बजे वह कैफे से बाहर निकले और अपनी कार के पास पहुंचे।

वह जैसे ही कार में बैठने लगे तो प्रयागराज की ओर से बाइक सवार तीन बदमाश वहां पहुंचे थे कि बदमाशों ने कार के पास बाइक की रफ्तार धीमी कर दी। बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने पवन को सटाकर बनाकर फायर कर दिया। गोली उनकी पीठ में लगी। गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े।

पुलिस पवन को हंडिया कस्बे के एक निजी अस्पताल ले गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें टैगोर स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया। एसआरएन पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था।

पोस्टमार्टम हाउस पर धरने पर बैठा परिवार, हत्यारोपियों के एनकाउंटर की मांग

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में समाजवादी पार्टी के जिला सचिव और पूर्व प्रधान पवन कुमार यादव हत्याकांड में नया मोड़ आ गया है। बुधवार को पोस्टमार्टम में देरी से नाराज

परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। मृतक के बड़े भाई अशोक यादव समेत परिवार के सदस्य और समर्थक पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर धरने पर बैठ गए। समाजवादी पार्टी गंगापार के जिला सचिव पवन कुमार यादव हत्याकांड में परिजन पोस्टमार्टम हाउस पर धरने पर बैठ गए हैं। मृतक पवन यादव के बड़े भाई अशोक यादव समेत परिवार के अन्य सदस्यों का कहना है कि हत्यारोपियों का एनकाउंटर होने पर ही उन्हें इंसाफ मिलेगा। परिजनों ने कहा कि दिनदहाड़े हुई हत्या से परिवार में आक्रोश है। जब तक आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होती, तब तक वे शांत नहीं बैठेंगे। पोस्टमार्टम हाउस पर धरने की सूचना पर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस की ओर से आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया जा रहा है। उधर, पुलिस हत्याकांड में सामने आए अलग–अलग पहलुओं की जांच कर रही है।

मूर्ति विसर्जन के लिए नए यमुना पुल के नीचे कृत्रिम तालाब का होगा निर्माण

प्रयागराज। इस बार मां दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन नए यमुना पुल के नीचे कृत्रिम तालाब में होगा। नगर निगम की तरफ से कृत्रिम तालाब का निर्माण नवरात्र से पहले करा जाएगा। मंगलवार को नगर निगम सदन के दौरान पार्षद रणविजय सिंह ने कृत्रिम तालाब के निर्माण की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि गंगा–यमुना नदी को प्रदूषण मुक्त रखने और मूर्ति विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाब का निर्माण जरूरी है। इसपर सदन में मौजूद अन्य पार्षदों ने भी अपना समर्थन दिया। महापौर गणेश केसरवानी ने नवरात्र के पहले नए यमुना पुल के नीचे कृत्रिम तालाब के निर्माण का संकल्प पारित कराया। वहीं, पार्षद रणविजय सिंह ने बताया कि ओमेक्स सिटी की तरफ से अरैल में बिजली शवदाह गृह के लिए भूमि दी जा रही है। नगर आयुक्त साई तेजा ने 17 सितंबर को भूमि के स्थलीय निरीक्षण की बात कही। सदन के दौरान पार्षद भोला तिवारी ने कहा कि जोनल अधिकारी के पास जन्म–मृत्यु और नामांतरण के अलावा कोई अधिकार नहीं है।

बिजली विभाग के मुख्य अभियंता के खिलाफ कार्रवाई की मांग

सदन के दौरान पार्षद कमलेश तिवारी ने कहा कि बिजली विभाग में जमकर घोटाला हुआ है। उन्होंने कहा कि शहर में कुल 1.64 लाख स्ट्रीट लाइट लगी हैं। जिनकी ऑटोमैटिक कंट्रोलिंग के लिए 5500 सीसीएमएस कंट्रोलिंग बॉक्स लगाए गए हैं। इनमें 2500 बॉक्स गायब हैं, जबकि तीन हजार बॉक्स खराब हो चुके हैं। एक बॉक्स की कीमत 28 हजार रुपये है। वहीं जिन लाइट को शहर में 12500 रुपये की लागत से लगाया गया है, उन्हें महाकुंभ में यूपीपीसीएल ने 2600 रुपये प्रति लाइट लगाई गई थी। कमिश्नर की तरफ से मुख्य अभियंता के खिलाफ जांच बैठाई गई थी। जिसमें वह दोषी भी पाए गए लेकिन नगर आयुक्त ने कोई कार्रवाई नहीं की। महापौर ने बिजली विभाग के मुख्य अभियंता से सामग्री व लागत का पूरा ब्योरा देने को कहा।

निगम के रडार पर अवैध कब्जेदार, नए सिरे से दुकानों का आवंटन

प्रयागराज। नगर निगम ने अवैध कब्जेदारों पर सख्ती करने का मन बना लिया है। ऐसे में दुकानों व फ्लैटों पर वर्षों से काबिज कब्जेदारों कार्रवाई होगी। इन संपत्तियों का नए सिरे से आवंटन किया जाएगा। इस पहल से निगम को प्रतिमाह दो से ढाई करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। संपत्तियों के आवंटन को लेकर कई शिकायतें सामने आईं। इनमें दुकानों का स्वरूप बदलना, दूसरे को कब्जा देना या बिना वैध अनुमति उपयोग करना शामिल है। अब सभी संपत्तियों का रिकॉर्ड खंगाला जाएगा। वास्तविक स्थिति का सत्यापन भी होगा। अवैध कब्जा पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। उनसे निर्धारित किराये का 150 फीसदी वसूला जाएगा। इसके बाद खाली होने वाली संपत्तियों का नए सिरे से पारदर्शी तरीके से आवंटन किया जाएगा। इस व्यवस्था को तत्काल लागू किया गया।

यूपी शिक्षक भर्ती 2026: 15,012 रिक्त पदों के लिए विज्ञापन जारी, प्रक्रिया शुरू

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। राज्य में 15,012 शिक्षक पदों पर भर्ती प्रक्रिया आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है और विभाग ने इसका विज्ञापन जारी कर दिया है। यदि आप भी शिक्षण क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य बनाना चाहते हैं, तो पात्रता, आवेदन तिथि और पूरी प्रक्रिया की जानकारी तुरंत देखें।

शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का इंतजार खत्म हुआ। मंगलवार देर शाम उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग में शिक्षक भर्ती से संबंधित दो महत्वपूर्ण विज्ञापन जारी किए गए हैं। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इन विज्ञापनों के माध्यम से कुल 15,012 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

आयोग की ओर से प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा विभाग के तहत सहायक अध्यापक संबद्ध प्राइमरी (अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों) के 897 रिक्त पदों तथा बेसिक शिक्षा विभाग के तहत सहायक अध्यापक, (शहरी) के 11,508 रिक्त पदों का विज्ञापन जारी किया गया है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) व्यवस्था लागू की गई है। अभ्यर्थियों को ओटीआर प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद ही संबंधित पदों के लिए आवेदन करना होगा।

विज्ञापन संख्या–05/2026 के तहत सहायक अध्यापक संबद्ध प्राइमरी तथा सहायक अध्यापक (शहरी) के पदों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन की प्रक्रिया 16 सितंबर से शुरू होगी। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर निर्धारित की गई है, जबकि ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर होगी। इन पदों के लिए परीक्षा तीन एवं चार दिसंबर को होगी।

पीजीटी के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 18 से

आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रवक्ता संवर्ग (पीजीटी) के 2,607 रिक्त पदों के लिए भी (विज्ञापन संख्या–06/2026) जारी किया गया है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन प्रक्रिया 18 सितंबर से शुरू होगी। पीजीटी भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर तथा ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर निर्धारित की गई है। प्रवक्ता संवर्ग के पदों के लिए परीक्षा 15 एवं 16 दिसंबर को होगी। डॉ. प्रशांत कुमार ने अभ्यर्थियों से अपील की कि आवेदन करने से पूर्व आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन एवं निर्देश पुस्तिका को देख लें। आयोग द्वारा विज्ञापित पदों की अर्हता एवं पात्रता के संबंध में अलग से कोई परामर्श नहीं दिया जाएगा।

शादी से नाराज पूर्व प्रेमी ने वायरल की आपत्तिजनक तस्वीर, आहत युवती ने दी जान, युवक ने भी की खुदकुशी

प्रयागराज। रानीगंज के बुढ़ौरा कुंभापुर गांव में प्रेम प्रसंग का दुखद अंत हुआ। युवती की मौत के बाद उसके पड़ोस में रहने वाले प्रेमी युवक की भी जान चली गई। दोनों पड़ोसी परिवारों से एक साथ अर्थी उठी तो गांव में मातम पसर गया।

रानीगंज थाना क्षेत्र के बुढ़ौरा कुंभापुर गांव में प्रेम प्रसंग से जुड़ी घटना में युवक और युवती की मौत हो गई। मंगलवार शाम युवती की मौत के बाद उसके पड़ोस में रहने वाले प्रेमी युवक ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दोनों पड़ोसी परिवारों से एक साथ अर्थी उठने से गांव में शोक का माहौल है।

रानीगंज थाना क्षेत्र के बुढ़ौरा कुंभापुर गांव निवासी राम आसरे गौतम की बेटी आंचल (25) की शादी 24 मई को जाजापुर निवासी जितेंद्र गौतम के साथ हुई थी। शादी के बाद आंचल एक बार ससुराल गई थी। इसके बाद करीब तीन महीने से वह मायके में रह रही थी। आंचल के पिता की 14 वर्ष पहले और मां की तीन वर्ष पहले मौत हो चुकी थी। उसकी दो बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है, जबकि भाई प्रकाश मुंबई में नौकरी करता है।

बताया जाता है कि आंचल का पड़ोस में रहने वाले विनय कुमार गौतम (23) से पहले से प्रेम प्रसंग था। विनय आंचल से शादी करना चाहता था, लेकिन उसकी शादी दूसरे युवक से होने के बाद दोनों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। परिजनों के अनुसार, कुछ दिन पहले विनय ने आंचल से जुड़ी आपत्तिजनक तस्वीरें उसके पति को भेज दी थीं। इसके बाद आंचल और उसके पति के बीच विवाद होने लगा।

मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

मंगलवार शाम करीब सात बजे आंचल की हालत बिगड़ गई। परिजन उसे उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आंचल की मौत की जानकारी मिलने के बाद विनय ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत गंभीर होने पर परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर ले गए।

वहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। बाद में चिकित्सकों ने उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल प्रयागराज भेज दिया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद से गांव में दोनों परिवारों के बीच मातम पसरा हुआ है।

सीएम ग्रिड के निर्माण में लापरवाही, ठेकेदार पर होगी एफआईआर

प्रयागराज। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (सीएम ग्रिड) योजना के निर्माण में लगातार अनियमितता की शिकायत पर मंगलवार को नगर निगम सदन में महापौर ने काम में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर प्राथमिकी दर्ज कराने का संकल्प पारित कराया। सदन में पार्षद नीरज टंडन ने बताया कि कल्याणी देवी मंदिर के पास सड़क में ह्यूम पाइप डाली जा रही है। पाइप में गोबर और मिट्टी फंसने के बाद जल निकासी नहीं हो पाएगी। ऐसे में उचित मानक के अनुसार पाइप डाली जाए। वहीं, पार्षद दिग्विजय सिंह ने बताया कि लूकरगंज में अग्रसेन इंटर कॉलेज के पास सड़क के निर्माण में नालों पर लोहे की जाली लगाई जा रहा है जबकि नाला हमेशा ओवरफ्लो रहता है। जाली लगने के बाद नालों की सफाई सही ढंग से नहीं हो पाएगी। पार्षद आकाश सोनकर ने सीएम ग्रिड के सड़कों के निर्माण में अनियमितता पर नजर रखने के लिए निगरानी समिति के गठन की मांग की। इसमें पार्षद, अधिकारी व अधिशासी अभियंता को शामिल करने की बात कही।

कुलपति के कथित तानाशाही रवैये के विरुद्ध आक्टा का बिगुल: शिक्षा मंत्री से हस्तक्षेप की माँग, व्यापक आंदोलन की चेतावनी

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय और उसके 11 संघटक महाविद्यालयों में वर्षों से लंबित पदोन्नतियों, वेतनमान, नियुक्तियों, सेवा–विनियमन, शोध–छात्रवृत्ति, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों तथा प्रवेश सीटों में कटौती को लेकर शिक्षकों का आक्रोश अब खुलकर सामने आ गया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय संघटक महाविद्यालय शिक्षक संघ 'आक्टा' (।न्ब्ब्ज।) ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र भेजकर विश्वविद्यालय की कुलपति पर संघटक महाविद्यालयों की सुनियोजित उपेक्षा, प्रशासनिक संवेदनहीनता, संवादहीनता और कथित तानाशाही रवैया अपनाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि लगभग 55 हजार विद्यार्थियों और सैकड़ों शिक्षकों से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया गया तो लंबे समय से दबा असंतोष व्यापक आंदोलन का रूप ले सकता है।

आक्टा के अध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र पाल सिंह की ओर से भेजे गए पत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर एक साथ कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। संघ का सबसे बड़ा आरोप यह है कि वर्षों से शिक्षक अपने वैधानिक अधिकारों और सेवा–लाभों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उनकी फाइलें कभी समिति, कभी विशेषज्ञ और कभी अनुमोदन के नाम पर रोक दी जाती हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन के पास आदेश जारी करने, शुल्क बढ़ाने और सीटें घटाने का समय है, लेकिन पदोन्नति की प्रतीक्षा में सेवानिवृत्त होते शिक्षकों की सुनवाई के लिए समय नहीं है। आक्टा ने इसे सामान्य प्रशासनिक विलंब नहीं, बल्कि संघटक महाविद्यालयों के प्रति गहरे भेदभाव और जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति बताया है।

पत्र के अनुसार संघटक महाविद्यालयों के सौ से अधिक शिक्षकों ने वर्ष 2019 में प्रोफेसर पद पर पदोन्नति के लिए आवेदन किया था, लेकिन चयन समितियाँ वर्ष 2024 में आयोजित की गईं। इसके बाद भी पदोन्नति का लाभ कथित रूप से शिक्षकों की अर्हता–तिथि से देने के बजाय शासी निकाय के अनुमोदन की तिथि से दिया गया। आक्टा का कहना है कि यह यूजीसी विनियमों के विपरीत है, क्योंकि पात्र शिक्षक को पदोन्नति का लाभ उसकी अर्हता–तिथि से मिलना चाहिए। लगातार पत्राचार के बाद दिसंबर 2025 में अर्हता–तिथि निर्धारित करने के लिए समिति अवश्य बनाई गई, किंतु उसकी केवल एक बैठक हुई। पात्र शिक्षकों से दोबारा आवेदन–पत्र भरवा लिए गए, लेकिन मामले को फिर ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इस प्रशासनिक जड़ता की सबसे बड़ी कीमत उन शिक्षकों ने चुकाई जो पदोन्नति की प्रतीक्षा करते–करते सेवानिवृत्त हो गए। इनमें से 20 शिक्षक न्याय के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शरण ले चुके हैं।

आक्टा ने अपने पत्र में कई शिक्षकों के विशिष्ट मामलों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया है कि विश्वविद्यालय द्वारा समय पर विषय–विशेषज्ञ उपलब्ध न कराने के कारण आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की डॉ. सुधा सिंह और ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज की डॉ. लिली नाथन पदोन्नति पाए बिना सेवानिवृत्त हो गईं। ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज की डॉ. अल्पना पॉल को चयन समिति की संस्तुति के बाद भी पदोन्नति न दिए जाने का आरोप है। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय की प्रो. नमिता यादव की वर्ष 2024 में प्रोफेसर पद पर पदोन्नति हो जाने के बावजूद उन्हें दो वर्ष बाद भी प्रोफेसर पद का वेतनमान नहीं मिला। इलाहाबाद डिग्री कॉलेज सहित अन्य महाविद्यालयों के पदोन्नत शिक्षकों का वेतन निर्धारण भी वर्षों तक लंबित रखा गया। सवाल यह है कि यदि चयन समिति की संस्तुति, शासी निकाय का अनुमोदन और शिक्षक की पात्रता भी उसे समय पर पदोन्नति तथा वेतनमान नहीं दिला सकती, तो विश्वविद्यालय में नियमों का वास्तविक अर्थ क्या रह जाता है?

इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के लगभग 140 सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा का मामला भी विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। आक्टा के अनुसार निर्धारित एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूरी होने के बाद उनकी कुल सेवा अवधि ढाई वर्ष से अधिक हो चुकी है, लेकिन लगातार पत्राचार के बावजूद सेवाओं का विनियमन नहीं किया गया। ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज के तीन शिक्षकों की लगभग 20 वर्ष की सेवा के बाद भी विभिन्न शैक्षणिक स्तरों पर पदोन्नतियाँ वर्षों तक रोकी गईं और एसोसिएट प्रोफेसर पद पर उनकी पदोन्नति आज तक लंबित है। जगत तारन महिला महाविद्यालय, ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज तथा अन्य महाविद्यालयों की पदोन्नति एवं वेतनमान संबंधी फाइलें कथित रूप से कुलपति कार्यालय में एक से डेढ़ वर्ष तक पड़ी रहीं। संघ का आरोप है कि फाइलों का यह ठहराव आकस्मिक नहीं, बल्कि संघटक महाविद्यालयों के प्रति प्रशासनिक उदासीनता का स्थायी चरित्र बन चुका है।

ईविंग क्रिश्चियन कॉलेज की स्थिति को आक्टा ने विशेष रूप से चिंताजनक बताया है। कॉलेज में छह वर्ष से अधिक समय से कार्यवाहक प्राचार्य काम कर रहे हैं। स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच हेतु विशेषज्ञ उपलब्ध कराने वाली फाइल एक वर्ष से अधिक समय तक कुलपति कार्यालय में लंबित रही और अंततः प्राचार्य पद का विज्ञापन निरस्त करना पड़ा। स्थायी प्राचार्य की नियुक्ति न होने के कारण शिक्षकों की नियुक्तियाँ भी प्रभावित हैं। कॉलेज के लगभग एक–तिहाई शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं और कुछ विभाग ऐसे हैं जहाँ एक भी नियमित शिक्षक उपलब्ध नहीं है। विश्वविद्यालय प्रशासन यदि वर्षों में एक प्राचार्य और आवश्यक शिक्षक तक नियुक्त नहीं करा पा रहा, तो शैक्षणिक गुणवत्ता के उसके दावे वास्तविकता से अधिक प्रचार का विषय दिखाई देते हैं।

आक्टा ने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को बंद करने की नीति पर भी कड़ा विरोध दर्ज कराया है। वर्ष 2024 में विश्वविद्यालय ने निर्धारित 50 सीटों के आधे से कम प्रवेश वाले स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को बंद करने का निर्णय लिया, जिसके कारण संघटक महाविद्यालयों में अनेक विषयों की स्नातकोत्तर कक्षाएँ समाप्त कर दी गईं। संघ ने इस तर्क को अतार्किक बताया है, क्योंकि इन पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए महाविद्यालय विश्वविद्यालय से कोई आर्थिक सहायता नहीं लेते। कम विद्यार्थी होने पर पाठ्यक्रम बंद कर देना शिक्षा का विस्तार नहीं, बल्कि उसकी उपलब्धता को संकुचित करना है। कम शिक्षक–छात्र अनुपात तो बेहतर शिक्षण का आधार बन सकता है, लेकिन विश्वविद्यालय ने उसे पाठ्यक्रम समाप्त करने का बहाना बना दिया। संघ ने अनेक योग्य महाविद्यालयी शिक्षकों को मनमाने ढंग से स्नातकोत्तर कक्षाएँ पढ़ाने और शोध–पर्यवेक्षण करने से वंचित किए जाने का आरोप भी लगाया है।

पत्र में संघटक महाविद्यालयों के शोधार्थियों के साथ कथित भेदभाव का प्रश्न भी उठाया गया है। आक्टा का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर के शोधार्थियों की तरह संघटक महाविद्यालयों के शोधार्थियों को शोध–छात्रवृत्ति देने की माँग लंबे समय से की जा रही है। मामला यूजीसी की ओर से भी विश्वविद्यालय को विचारार्थ भेजा गया, लेकिन प्रशासन ने कोई प्रभावी निर्णय नहीं लिया। परिणामस्वरूप सीमित आर्थिक संसाधनों वाले शोधार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शोध करना कठिन होता जा रहा है। इसी प्रकार नियमानुसार प्रस्तुत एलटीसी बिलों का भुगतान रोकने और अनेक सेवा–संबंधी मामलों को बिना कारण लंबित रखने के आरोप भी पत्र में दर्ज हैं।

आक्टा ने विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों पर भी कुलपति की नीतियों को कठघरे में खड़ा किया है। संघ का आरोप है कि वर्तमान कार्यकाल में फीस में कई गुना वृद्धि की गई, जिससे सामान्य और निम्न आयवर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों पर भारी आर्थिक दबाव पड़ा है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय में प्रवेश की सीटें 20 से 25 प्रतिशत तक घटा दी गईं। आक्टा के अनुसार केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ओबीसी आरक्षण लागू करते समय अनारक्षित सीटों को कम न करने के उद्देश्य से प्रवेश सीटें, शिक्षक एवं शिक्षणेतर पद तथा आधारभूत संसाधन बढ़ाए गए थे और इलाहाबाद विश्वविद्यालय को इसके लिए बड़ी धनराशि मिली थी। इसके बाद सीटों में कटौती करना सामान्य, ओबीसी, एससी और एसटी, सभी वर्गों के विद्यार्थियों के अवसरों को घटाता है। संघ ने इसे उच्चतम न्यायालय के निर्णय की भावना के विपरीत बताते हुए तत्काल समीक्षा की माँग की है।

कुलपति की कार्यशैली पर आक्टा का सबसे तीखा प्रहार संवादहीनता को लेकर है। संघ ने दावा किया है कि बार–बार अनुरोध करने के बावजूद पिछले तीन वर्षों में संघटक महाविद्यालयों के शिक्षकों को कुलपति ने मिलने के लिए एक मिनट का समय भी नहीं दिया। विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्षों और महाविद्यालयों के प्राचार्यों को भी आवश्यक मामलों में मुलाकात का समय नहीं मिलता। आपात स्थिति में पहुँचने वालों को घंटों प्रतीक्षा कराए जाने की शिकायत भी की गई है। आक्टा ने यह आरोप भी लगाया है कि कुलपति कई दिनों तक विश्वविद्यालय और देश से बाहर रहने के बावजूद किसी वरिष्ठ आचार्य को प्रभार नहीं सौंपतीं, जिससे निर्णय रुकते हैं और फाइलों का अंबार बढ़ता जाता है। अधीनस्थ अधिकारियों पर भी आवश्यक फाइलों को बिना कारण अथवा स्पष्ट टिप्पणी के केवल "रिटर्न इन ओरिजिनल" लिखकर लौटाने का आरोप लगाया गया है।

पत्र में कुछ चुनिंदा व्यक्तियों की पदोन्नति, पूर्व सेवाओं को जोड़ने और प्रशासनिक लाभ देने में पक्षपात तथा नियमों की अनदेखी के अत्यंत गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जाँच आवश्यक है, क्योंकि यदि वे सही हैं तो मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय की संस्थागत निष्पक्षता और विश्वसनीयता का है। आक्टा ने संकेत दिया है कि नियमों का व्यवहार सभी के लिए समान नहीं दिखाई देता, कुछ शिक्षकों की फाइलें वर्षों तक धूल खाती रहती हैं, जबकि कुछ मामलों में प्रशासनिक गति असाधारण रूप से तेज हो जाती है।

आक्टा ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से अविलंब हस्तक्षेप की माँग करते हुए साफ चेतावनी दी है कि शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और अभिभावकों में लगातार बढ़ रहा आक्रोश कभी भी बड़े प्रतिरोध में बदल सकता है। यह पत्र केवल लंबित मामलों की सूची नहीं, बल्कि उस प्रशासनिक व्यवस्था के विरुद्ध आरोप–पत्र है जिसमें संवाद की जगह दूरी, समाधान की जगह टालमटोल और जवाबदेही की जगह कथित मनमानी ने ले ली है। संघ ने सरकार से माँग की है कि पदोन्नति, वेतनमान, सेवा–विनियमन, प्राचार्य एवं शिक्षक नियुक्ति, शोध–छात्रवृत्ति, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और प्रवेश सीटों से जुड़े मामलों की समयबद्ध जाँच तथा समाधान कराया जाए।

भूख

(छप्पय)

आकर सारी भूख एक रोटी ने खायी।
बहुत दिनों के बाद हँसी अधरो पर आयी।
बासी थी पर स्वाद निराला उसका लगता।
उनका छप्पन भोग कहीं भी नहीं ठहरता।
क्षुदा शान्त जिसने किया उसपर नहीं सवाल कर।
उस जैसा कोई नहीं देखो जरा खँगाल कर।।

जिसने किया सलाम हाथ फैलाकर अपना।
थी वह केवल भूख शेष सबकुछ था सपना।
मान और अभिमान उन्हें बस देख रहे थे।
कभी–कभी कुछ लोग रोटियाँ फेंक रहे थे।
इस समाज के सत्य को परखो तनिक करीब से।
खेल रहे हैं खेल सब भूखे नग्न फ़कीर से।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

ईवीएम–वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

डीएम ने सुरक्षा, सीसीटीवी और अग्निशमन व्यवस्था परखी, सफाई के दिए निर्देश

मथुरा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बुधवार को जनपद स्थित ईवीएम–वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। जिला प्रशासन की वेबसाइट पर चंद्र प्रकाश सिंह को वर्तमान में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के रूप में दर्ज किया गया है।

डीएम ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों के संचालन और बैकअप की जानकारी ली। उन्होंने नियमित निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। सुरक्षा में तैनात कर्मियों को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए।

उन्होंने वेयरहाउस की साफ–सफाई नियमित रूप से कराने को कहा। साथ ही सभी फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच और उनकी वैधता/एक्सपायरी देखी। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी को समय–समय पर अग्निशमन यंत्रों की जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भाजपा से सुरेश तरकर, सपा से गगन रावत, सोनू ठाकुर व राजीव सिकरवार, बसपा से मुनेन्द्र सिंह निगम व रामबाबू गौतम तथा कांग्रेस से अशोक कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह और सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी मनोज खंडेलवाल समेत संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वनाथ चारआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति का कार्यकारिणी बैठक तथा हिंदी दिवस सभा आयोजित

हिंदी दिवस के अवसर स्थानीय कवियों ने अपने कविता से चार चाँद लगा दी

भारत सर्वोत्तम ट्रस्ट द्वारा विश्वनाथ के हिंदी से जुड़े आठ साहित्यकार को सम्मानित किया जाएगा

विश्वनाथ, असम। केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्वीकृत प्राप्त तथा विश्वनाथ जिले के प्रतिष्ठित हिंदी संस्थान विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति ने सोमवार को अपराह्न 3 बजे कार्यकारिणी बैठक तथा हिंदी दिवस सभा का आयोजन किया। संस्थान के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह के मार्गदर्शन में कार्यकारी अध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे के अध्यक्षता में आयोजित सभा में अतिथि के रूप में मुख्य सलाहकार हरिप्रसाद ठाकुर , सलाहकार मदन गोपाल साहू , उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता को मंचासीन करवाया गया। इसके बाद अतिथि को और संस्थान के सभी पदाधिकारी व सदस्य – सदस्या को फुलाम गामोछा और उपहार से सम्मानित किया गया |सचिव संतोष कुमार महतो ने हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हिंदी दिवस की शुभकामनाएं संदेश पाठ की । सचिव महतो ने सभा उद्देश्य व्याख्या करते हुए कहा कि आगामी 21 सितंबर को हरियाणा के भारत सर्वोत्तम ट्रस्ट द्वारा हमारे संस्थान के सहयोग से विश्वनाथ जिले के जाने–माने आठ साहित्यकार का सम्मान समारोह आयोजित करेंगे । आगामी 26 सितंबर संस्थान को 10 वें वर्षगांठ में प्रवेश करेंगे, अतः स्थापना दिवस समारोह के कार्यक्रम कार्यान्वयन के संदर्भ में आज की सभा का आयोजित की गई है। तत्पश्चात सचिव ने केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा प्राप्त दिशा –निर्देशन का अवगत करवाया |सभा में आगामी

कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और दो दिवसीय कार्यक्रम के साथ 25 और 26 सितंबर को स्थापना दिवस और हिंदी दिवस समारोह मनाने का निर्णय लिया गया। उपाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता, सलाहकार मदन गोपाल साहू, सुरेंद्र कुमार सहनी आदि ने संस्थान के कार्यपद्धति पर मार्गदर्शन दी तथा संस्थान के उपलब्धि पर सराहना की । साथ ही वर्तमान युग में हिंदी दिवस के तात्पर्य पर प्रकाश डालें। तत्पश्चात स्थानीय कवियों व संस्थान के हिंदी सेवी द्वारा श्रोता स्वरचित कविता का रसास्वादन किया |जिसमें कवयित्री सैदया आनोवारा खातुन ने "हिंदी मेरी पहचान", कवि सुजीत कुमार शर्मा ने " असम का गौरव ",कवयित्री मनीषा पाल ने "एक इंसान चाहिए" , कवि सुरेंद्र कुमार सहनी ने "जुबीन की याद में "और कवि संतोष कुमार महतो ने " लाल किले के प्राचीर से भारत माँ का यशगान" शीर्षक कविता पाठ की सभाध्यक्ष सूर्य नारायण पांडे ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में हिंदी दिवस पर आयोजित सभा की सराहना की और संस्थान के हिंदी सेवी द्वारा स्वरचित कविता की बारीकी से और संस्थान के द्वारा हिंदी भाषा तथा साहित्य के प्रचार–प्रसार में 10 वर्ष में हुए गतिविधियों की भूरी भूरी प्रशंसा की |इस मौके पर मुख्य सलाहकार हरिप्रसाद ठाकुर, सलाहकार श्यामानंद रौनियार , मदन गोपाल साहू,सुधन साहनी , सुरेंद्र कुमार सहनी, सुजीत कुमार शर्मा,कोषाध्यक्ष छेदीलाल कुर्मी ,सह सचिव मनीषा पाल, दाता सदस्य संतोष प्रसाद गुप्ता, सदस्या बंदना दास , कल्पना पाल , सैयदा आनोवारा खातुन,सदस्य बजरंग रौनियार आदि मौजूद थे।।

अंत में सचिव ने उपस्थित सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभा भंग की।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं. पीआरवाइजे-सिग-038-2026-27 दिनांक: 15.09.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि. मंडल सिगनल एवं दूरसंचार अभियन्ता/सम. उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा ई-निविदा में अंकित खुलने के दिनांक को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:

निविदा नं.: 038, कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्थानों (रिले हट्स / स्टेशनों) पर स्थापित अग्नि चेतावनी प्रणाली (M/s Vighnaharta Make) के लिए दो वर्षों की अवधि हेतु व्यापक वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।

अनुमानित मूल्य: ₹ 3,03,50,940.48	धरोहर राशि: ₹ 6,07,000/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य: ₹ 0.00	कार्य समापन की अवधि: चौबीस माह।
निविदा खुलने की तिथि: 13.10.2026	निविदा की वैधता: निविदा खुलने के 60 दिन तक।

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह उ.प्र. स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेगी।

निविदा खुलने का समय तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12:30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन कार्य दिवस पर खोली जायेगी।

निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 2117/26 (MG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0: 7720262027 दिनांक: 14.09.2026

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये, निर्धारित प्रपत्र पर निम्नलिखित ई-निविदा, दिनांक 14.10.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं0: 168	कार्य का अनुमानित मूल्य (रू.): 6,29,43,361.28

कार्य का विवरण: सहायक मंडल अभियंता/लाइन/प्रयागराज के अधीन क्षेत्र में कि0मी0 820/20-22 पर सेतु सं0 29 का तीन मध्य स्पैनों में जैकेटिंग प्रदान कर सुदृढ़ीकरण, साथ ही मौजूदा स्टील गर्डर की री-गर्डरिंग को सुगम बनाने हेतु सर्विस रोड का प्रावधान तथा अन्य विविध सेतु कार्य।

बयाने की रकम (रू.): 12,65,900.00	कार्य समापन की अवधि: 18 (अठारह) माह

निविदा खुलने की तिथि: 14.10.2026

"सिमिलर वर्क" के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार: किसी भी सेतु का निर्माण/पुनर्निर्माण/पी0एस0सी0/आर0सी0सी0 सेतु का सुदृढ़ीकरण।

नोट:- 1: ई-निविदा प्रपत्र सभी निविदादाताओं को निःशुल्क निर्गत किये जायेंगे। 2: उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि 14.10.2026 तक उपलब्ध है। 3: उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I.T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A. द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 4: निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्शियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न हैं तो उन पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 5: निविदादाता अपनी निविदा के साथ निर्धारित प्रोफार्मा पर एक प्रमाण-पत्र, जैसा निविदा प्रपत्र में उल्लिखित है, प्रस्तुत करेंगे, जिसके अभाव में उनकी निविदा अविचारणीय होगी तथा निरस्त कर दी जायेगी। 6: माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 7: संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 8: निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट www.ncr.indianrailways.gov.in. पर भी अपलोड कर दिया गया है। 9: बयाने की राशि केवल नेटबैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 10: किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 11: आनलाइन निविदा निविदा खुलने की तिथि 14.10.2026 को समय 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 12: निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-I के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तदनुसार अविचारणीय होगी। 2102/26(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या: 230-वि/कावि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/657 दिनांक: 12.09.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क.वि./उ.म.रे./प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं.: 230-कावि0-कार्य ठेका-1046-2026	कार्य अवधि: 12 महीना

कार्य का विवरण: उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में पनकी-गाजियाबाद खंड के बीच बारह महीने के लिए स्काडा प्रणाली का व्यापक, जनवारक और ब्रेकडाउन रखरखाव का कार्य।

अनुमानित लागत: ₹ 34,13,736.96	बिड सुरक्षा राशि: ₹ 68,300.00
बोली प्रणाली: एक पैकेट	निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 05.10.2026, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 05.10.2026, 15.00 बजे

नोट: 1.उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2.उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2093/26(AK)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

संख्या: एस/सेल/811/ ई-नी.का./170703/2026-27 दिनांक: 14.09.2026

ई-नीलामी कार्यक्रम, सूचना संख्या-07 ,अक्टूबर-2026

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगे। स्क्रैप मदें:- पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आइरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नान मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयल / पेंट्स ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम वेहिकिल्स, कन्डम ऑफिस इक्विपमेंट्स, फाउन्ड्री स्क्रैप, रिलीज ओवर हेड एम.एस. / जी.आई. टॉवर, ट्रेन लाइटिंग पंखों का रिलीज फेरस स्क्रैप, रिलीज एम. एस. / जी.आई. पाइप लाइन, फाउन्ड्री स्क्रैप कॉक्ड कॉस्ट एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम.एस. स्क्रैप मदें।

क्रमांक	ई-नीलामी की तिथि	दिन	डिपो/मण्डल	नीलामी के आयोजक	माध्यम
1.	01.10.2026	गुरुवार	सा.भ.डिपो/झाँसी	उ.म.मु.सा.प्रबं./प्रणाली/झाँसी।	www.ireps.gov.in वेबसाइट द्वारा
2.	16.10.2026	शुक्रवार			
3.	23.10.2026	शुक्रवार			
4.	30.10.2026	शुक्रवार			
5.	06.10.2026	मंगलवार	सा.भ.डिपो/कानपुर	उपमु.सा.प्रबं./जी.एस.डी./कानपुर।	
6.	13.10.2026	मंगलवार			
7.	28.10.2026	बुधवार			
8.	07.10.2026	बुधवार	प्रयागराज मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./प्रयागराज।	
9.	15.10.2026	गुरुवार			
10.	22.10.2026	गुरुवार			
11.	28.10.2026	बुधवार			
12.	01.10.2026	गुरुवार	झाँसी मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./झाँसी।	
13.	07.10.2026	बुधवार			
14.	14.10.2026	बुधवार			
15.	22.10.2026	गुरुवार			
16.	01.10.2026	गुरुवार	आगरा मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./आगरा।	
17.	08.10.2026	गुरुवार			
18.	15.10.2026	गुरुवार			
19.	22.10.2026	गुरुवार			

विशेष शर्तें: 1. सभी प्रकार की स्क्रैप मदों की नीलामियाँ ई-नीलामी के माध्यम से 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेण्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेण्डर दिवस में भी जारी रहेगी। 2. ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेचे नहीं जा सके, उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। 3. इच्छुक खरीददार स्क्रैप डिपो रखे सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थल पर कर सकते हैं। 4. यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत 5 लाख रुपयों से अधिक है तो ऐसी स्थिति में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। 5. नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए (जैसे कैटलाग नीलामी की गई मदों की अंतिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण) कृपया हमारे वेबसाइट 'www.ncr.indianrailways.gov.in' पर देखें। 6. ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी 'www.ireps.gov.in' वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। 2104/26 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

ब्रिक्स का कितना असर

ईरान पर अमेरिका और इजरायल की तरफ से छेड़ा गया युद्ध, होर्मुज जल डमरू मध्य मार्ग पर वर्चस्व की जंग, फिलीस्तीन पर इजरायल के हमले, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के थोपे टैरिफ से दुनिया भर के कारोबार में उथल–पुथल मची। तेल और गैस की कीमतों में भारी बढ़ोत्तरी से दुनिया में एक और मंदी का संकट गहराने लगा तो वहीं कई देशों के एक या दूसरे युद्ध में उलझने या किसी भी तरह उससे प्रभावित होने के कारण वैश्विक शांति भी प्रभावित हुई। ऐसे तनावपूर्ण माहौल में भारत में 18वां ब्रिक्स सम्मेलन आयोजित हुआ। ब्रिक्स 2006 में जब बना तो यह ब्रिक (बीआरआईसी) हुआ करता था, जिसमें ब्राजील, रूस, इंडिया(भारत) और चीन शामिल थे, फिर 2010 में साउथ अफ्रीका (द.अफ्रीका) इसमें शामिल हुआ और यह ब्रिक्स बना। अब इस समूह में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, यूएई और इंडोनेशिया भी शामिल हैं। सदस्य देशों के अलावा अबू धाबी, मलेशिया, बेलारूस, क्यूबा, कजाकिस्तान, बहरीन, वियतनाम, बुरुंडी, नाइजीरिया, युगांडा, उरुग्वे के प्रतिनिधि बैठक में मेहमान देशों के तौर पर शामिल हुए। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ–साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व बैंक, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक, न्यू डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधियों ने भी सम्मेलन में शिरकत की। यानी भारत के ब्रिक्स सम्मेलन में दुनिया की तकरीबन आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता एक ही मंच पर इकठ्ठे हुए और वैश्विक अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण किरदार भी यहीं नजर आए। इस लिहाज से भारत में आयोजित ब्रिक्स 2026 काफी खास हो जाता है। क्योंकि इस शिखर सम्मेलन से यह संदेश निकला है कि दुनिया में किसी एक देश, किसी एक ताकतवर नेता की मर्जी हमेशा नहीं चल सकती है, अंतरराष्ट्रीय संबंध और कूटनीति परस्पर सम्मान और बराबरी के व्यवहार से ही निभाए जाते हैं। भारत के लिए यह सम्मेलन इसलिए अहम रहा क्योंकि पिछले कुछ बरसों में हमारी विदेश नीति में स्पष्ट नजरिए की कमी देखी गई है। गुट निरपेक्षता को दरकिनार करने का दुष्परिणाम यह हुआ कि हम बार–बार अमेरिका के साए में दिखाई दिए, जिससे हमारे पारंपरिक मित्र देश भी थोड़े खिन्न नजर आए। गनीमत यह रही कि ब्रिक्स सम्मेलन के कारण संबंधों की प्राचीन ऊष्मा फिर झलकने लगी है। इस बार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और ईरान के राष्ट्रपति डॉक्टर मसूद पेजेश्कियान का भारत आना खास चर्चा में रहा। खासकर इजरायल और अमेरिका के राष्ट्राध्यक्षों से नरेन्द्र मोदी जो नजदीकी दिखाने की कोशिश में रहते हैं, उसके कारण यह सवाल उठता रहा कि क्या मोदी ईरान और रूस से पुरानी दोस्ती कायम कर पाएंगे। वहीं चीन की आक्रमणकारी नीति का खामियाजा गलवान में भारत को उठाना पड़ा, उसके बाद भारत का रुख क्या रहेगा। नरेन्द्र मोदी और शी जिनपिंग के बीच बातचीत में कुछ बहुत ठोस निकलकर तो नहीं आया लेकिन दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ा है, यह भी अच्छी बात है। हालांकि भारत को अब भी सावधानी बरतनी होगी। 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में शनिवार को जो संयुक्त घोषणापत्र जारी हुआ उसमें आतंकवाद के हर रूप की कड़ी आलोचना की गई। ब्रिक्स ने आतंकवाद, इसकी आर्थिक मदद, सीमा पार आतंकवाद और आतंकवादियों को सुरक्षित ठिकाना दिए जाने के खिलाफ मिलकर कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता दोहराई। 45 पन्नों और 140 बिन्दुओं के नयी दिल्ली घोषणापत्र में ₹22 अप्रैल 2025 को जम्मू–कश्मीर में हुए आतंकवादी हमलेय की निंदा की गई, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। भारत इसके लिए पाकिस्तान समर्थित संगठनों को जिम्मेदार ठहराता है, लेकिन घोषणापत्र में पाकिस्तान का जिक्र नहीं किया गया है। क्या इसके पीछे ट्रंप का दबाव था, या जिनपिंग के होने की झिझक, यह स्पष्ट नहीं हुआ है। क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर में चीन का साथ पाकिस्तान को मिला था और असीम मुनीर ट्रंप के प्रिय हैं, यह जगजाहिर है।बहरहाल, घोषणापत्र में यह भी कहा गया है कि कई देशों को ₹अन्यायपूर्ण और एकतरफा संरक्षणवादी कदमोंय से नुकसान हो रहा है। इसे ट्रंप की तरफ से थोपे गए टैरिफ की आलोचना माना जा रहा है। लेकिन फिर बिना नाम लिए अगर अमेरिका या ट्रंप की आलोचना की जाए, तो क्या उससे मकसद हासिल होगा, यह ब्रिक्स देशों को सोचना होगा। घोषणापत्र में तीसरा अहम बिंदु प.एशिया में पसरा तनाव रहा। सम्मेलन में शामिल देशों की ओर से पहले फिलस्तीन और फिर अमेरिका–ईरान के बीच युद्ध से घिरे प.एशिया के संकट को अधिकतम संयम और कूटनीति के जरिए सुलझाने की अपील की गई। घोषणापत्र में गजा और कब्जे वाले फिलस्तीनी इलाकों की मानवीय स्थिति पर भी गंभीर चिंता जताई गई।

तो अब शुभेंदु करेंगे गरबा मर्यादा की भी रक्षा?

डॉ. दीपक पाचपोर

दीपक जीवन–शक्ति, शरीर के भीतर दिव्य उपस्थिति और देवी की सृजन–शक्ति का प्रतीक है। वृत्ताकार गति हिंदू चिंतन में काल के चक्रकृ सृष्टि, स्थिति और प्रलय को दर्शाती है।

तरुण विजय

जिस प्रकार शुद्ध हिंदू उत्सव गरबा में गैर हिंदुओं को शामिल करने की विकृत सेकुलर आवाजें उठने लगीं हैं उनको देखते हुए लगता है कि मुख्यतः गुजरात और महाराष्ट्र में होने वाले गरबा उत्सवों की मर्यादा रक्षा के लिए तेजस्वी हिंदू ध्वज वाहक एवं पश्चिम बंगाल के महानायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सहायता मांगने का समय आ गया है। अब सब हैं कि सेक्युलर तालिबानी आवाजों के विरुद्ध हिंदुओं को चाहिए कि अपना अंगद समान पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए। गरबा शक्ति की उपासना से जुड़ा पारंपरिक हिंदू पूजा–स्वरूप है। यह धनकुबेरों और हिंदू–भावना विहीन भीड़ के लिए मस्ती–मस्ती का कार्निवल नहीं है। गरबा कोई सेक्युलर मनोरंजन "मेला" नहीं है। यह माँ अम्बा की भक्ति का हिंदू प्रतीक है। जो माँ दुर्गा की पूजा नहीं करते, जो उनके सामने शीश नहीं झुकाते, उनको गरबा में शामिल होने का कोई अधिकार नहीं। इसका मूल रूप और अर्थ हिंदू ब्रह्मांड–दृष्टि, प्रतीकों और दिव्य स्त्री–शक्ति की साधना से आता है। "गरबा" शब्द संस्कृत शब्द "गर्भ" से निकला है। पारंपरिक रूप में नर्तक एक घेरे में गर्भ दीपकृछेदों वाले मिट्टी के घड़े में जलते दीये कृया देवी की मूर्ति के चारों ओर नृत्य अभ्यर्थना करते हैं। दीपक जीवन–शक्ति, शरीर के भीतर दिव्य उपस्थिति और देवी की सृजन–शक्ति का प्रतीक है। वृत्ताकार गति हिंदू चिंतन में काल के चक्रकृसृष्टि, स्थिति और प्रलयकृको दर्शाती है। गरबा शरद नवरात्रि में होता है, अर्थात् दुर्गा के नौ रूपों को समर्पित नौ रातों में। यह पर्व महिषासुर पर दुर्गा की विजय का स्मरण है, जैसा देवी माहात्म्य (मार्कंडेय पुराण) में वर्णित है। भक्त माँ की स्तुति के गीत (गर्बी) गाते हैं, ताली देते हैं और नृत्य को पूजा तथा कृतज्ञता का माध्यम बनाते हैं। पारंपरिक माहौल में स्थान पवित्र माना जाता हैरू प्रायः नंगे पाँव नाचते हैं, आरती होती है, और केंद्र में दीपक या मूर्ति ही मुख्य रहती है। नवरात्रि व्रत माँ भगवती की भक्ति का चिह्न है। गरबा और डांडिया रास (जहाँ डंडे देवी के आयुधों के प्रतीक हैं) गुजरात में इसी भक्ति की सामाजिक अभिव्यक्ति बने। लोक–नृत्य के रूप में यह शादियों और अन्य अवसरों पर भी होता रहा है, पर इसका सबसे विस्तृत और मुख्य संदर्भ दुर्गा–पूजा का नवरात्रि चक्र ही है। क्योंकि यह रूप देवी और उनके प्रतीकों के इर्द–गिर्द बुना गया है, पारंपरिक हिंदू साधक और संगठन इसे श्रद्धा का कर्म मानते हैं, सेक्युलर–गैरहिंदू मनोरंजन नहीं। जो दुर्गा को दिव्य माता नहीं मानते, मूर्ति–पूजा और धर्मिक विश्वास को अस्वीकार करते हैं, वे इस अनुष्ठान के उद्देश्य से बाहर हैं। गरबा को सिर्फ "फन मेला" कहना उसे उसके धर्मिक अर्थ से काट देता है और पूजा–भक्ति को तमाशा बना देता है। अन्य धर्मों के अनुष्ठानों से तुलना स्वाभाविक है। ईद की नमाज़ इस्लामी मज़हब के अनुसार निर्धारित है। गैर–मुसलमानों से यह अपेक्षा नहीं की जाती कि वे औपचारिक नमाज़ में मजहबी कर्तव्य के रूप में शामिल हों; वह स्थान और स्वरूप उन लोगों का है जो उस आस्था को स्वीकार करते हैं। अनेक परंपराओं में मूल उपासना–कर्म की सीमाएँ ऐसी ही हैं। नवरात्रि में गर्भ दीप या दुर्गा की मूर्ति के चारों ओर होने वाला गरबा उसी श्रेणी का आस्था–विशिष्ट कर्म है, राज्य द्वारा थोपा गया खुला सांस्कृतिक मेला नहीं। आज कई स्थानों पर गरबा अत्यधिक व्यावसायिक हो चुका है और हिंदू–भावना विहीन इवेंट मैनेजरों के हाथों विकृत हो रहा है। समय आ गया है कि अंगद समान हिंदू आस्था और मर्यादा का पैर जमाया जाए। बंगाल से सीख ली जाए, जहाँ तेजस्वी वीर हिंदू नायक मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी दुर्गा पूजा को उसकी मूल गरिमा लौटाने का प्रयास कर रहे हैं। उनसे सीखकर गरबा को पतन से बचाया जाए। यूनेस्को ने 2023 में गरबा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। उसमें इसके हिंदू सामाजिक स्वरूप और शक्ति/स्त्री–ऊर्जा के वृत्त को बनाए रखते हुए लोगों को जोड़ने की क्षमता का उल्लेख है। विश्व हिंदू परिषद जैसे संगठनों का कहना सही है कि यह देवी–पूजा का रूप है, इसलिए प्रवेश उन्हीं का हो जो इस आस्था को साझा करते हैं। गरबा स्थलों पर प्रवेश नियंत्रण और पहचान जाँच की माँग इसीलिए है। मिश्रित आयोजनों में तनाव, हिंदू लड़कियों को निशाना बनाने, अपमान और उत्पीड़न की घटनाएँ सामने आई हैं। गैर–हिंदुओं द्वारा हिंदू देवताओं का मज़ाक उड़ाने और "गरबा के बहाने हिंदू लड़कियों को छेड़ने" की खबरें भी आती रही हैं। हिंदुओं को समावेशिता का पाठ पढ़ाने की ज़रूरत नहीं। भारत का संविधान हिंदू–बहुल समाज में बना। यह कानून के समक्ष समानता, धर्म की स्वतंत्रता और प्रत्येक समुदाय को अपने धार्मिक कार्यों के प्रबंधन का अधिकार देता है। भारतीय संविधान हिंदू समावेशिता की अभिव्यक्ति है। गरबा सनातन धर्म की मर्यादा से बँधा है। हिंदू अपनी संवेदनाओं के अनुरूप प्रवेश की शर्तें रख सकते हैं। मंदिर, मठ और पारंपरिक संप्रदाय पहले से कुछ अनुष्ठान–स्थानों पर मर्यादा के अनुसार प्रवेश नियंत्रित करते हैं। दुर्गा–पूजा पर आधारित सामुदायिक गरबा पर भी वही तर्क लागू होना चाहिए। अब साधु–संन्यासियों और पारंपरिक हिंदू स्वरों से अपील करनी चाहिए कि वे विशिष्ट हिंदू रूपों की मर्यादा स्पष्ट करें और उसकी रक्षा करें। ये माँगें धार्मिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अनुकूल हैं।

ब्रिक्स 2026: भारत की कुशल कूटनीति

असद मिर्जा

नई दिल्ली में हुए 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत ने अपनी मेजबानी शक्ति को कूटनीतिक प्रभाव में बदल दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग के साथ मुलाकातें, ईरान–यूएई के बीच उभरते संपर्क, नए सिरे से शांति की भाषा, और अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण संयुक्त राष्ट्र की मांग कृ इन सबने मिलकर नई दिल्ली की सबसे बड़ी ताकत को उजागर कियारू व्यावहारिक प्रभाव के साथ रणनीतिक स्वायत्तता। ब्रिक्स 2026 में भारत की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि कोई एक समझौता नहीं थी, बल्कि प्रतिद्वंद्वियों के बीच कूटनीतिक स्थान का निर्माण थी। नई दिल्ली ने ऐसे समय में रूस, चीन, ईरान, यूएई और अन्य प्रमुख विकासशील देशों की मेजबानी की, जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था रूस–यूक्रेन युद्ध, ईरान संघर्ष, व्यापार तनाव और लगातार बढ़ती अमेरिका–चीन प्रतिस्पर्धा से जूझ रही है। इस शिखर सम्मेलन ने इसलिए यह परखा कि क्या ब्रिक्स केवल पश्चिम–विरोधी राजनीतिक मंच से आगे बढ़कर कुछ बन सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार–बार जोर देकर कहा कि ब्रिक्स शकिसी के खिलाफ नहींश है और तर्क दिया कि वैश्विक दक्षिण को नियम–निर्माताओं का समूह बनना चाहिए, न कि निष्क्रिय नियम–अनुयायियों का। यह सोच भारत की पसंदीदा भूमिका को दर्शाती है कृ किसी गुट का वैचारिक नेता नहीं, बल्कि एक ऐसा मध्यस्थ जो वाशिंगटन, मॉस्को, बीजिंग, तेहरान और खाड़ी की राजधानियों से एक साथ बात कर सके। नई दिल्ली घोषणापत्र का पारित होना अपने आप में महत्वपूर्ण था। पहले हुई मंत्रिस्तरीय चर्चाओं में, विशेष रूप से मध्य–पूर्व संघर्ष को लेकर, सहमति बनाने में कठिनाई की खबरें थीं। अंतिम दस्तावेज में सावधानीपूर्वक भाषा का इस्तेमाल किया गया– इसमें नागरिकों और नागरिक ढांचे पर हमलों की निंदा की गई, एकतरफा प्रतिबंधों का विरोध किया गया, फिलिस्तीनी राज्य का समर्थन किया गया, और किसी भी देश का सीधे नाम लिए या उसे शर्मिंदा किए बिना संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांग की गई। यह कूटनीतिक संयम भारत की अध्यक्षता की छाप था। प्रधानमंत्री मोदी की द्विपक्षीय बैठकों ने शिखर सम्मेलन के औपचारिक एजेंडे से आगे बढ़कर भारत की स्थिति को मजबूत किया। राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी बातचीत ने भारत–रूस संबंधों की मजबूती को दोबारा रेखांकित किया, भले ही नई दिल्ली को यूक्रेन में मॉस्को के युद्ध को लेकर पश्चिमी साझेदारों के दबाव का सामना करना पड़ रहा हो। इसका महत्व भावनात्मक गर्मजोशी में नहीं, बल्कि इसमें था कि भारत ने संवाद की वकालत करते हुए भी क्रेमलिन के साथ संपर्क के रास्ते बनाए रखे। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मुलाकात भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी। भारत–चीन संबंधा अभी भी 2020 की सीमा घटना, अनसुलझे सैन्य तनाव और इंडो–पैसिफिक में रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बोझ तले हैं। फिर भी, ब्रिक्स के मंच ने दोनों नेताओं को एक नियंत्रित पिघलाव प्रस्तुत करने का अवसर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया और कजाखस्तान के नेताओं से भी मुलाकात की, जिसमें व्यापार, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, निवेश और संपर्क–सुविधा (कनेक्टिविटी) जैसे विषय प्रमुखता से शामिल रहे बताए जाते हैं। इन बैठकों ने भारत के लिए शिखर सम्मेलन के आर्थिक मूल्य को व्यापक बनाया। एक सफल ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए यह दिखाना जरूरी था कि यह समूह केवल पश्चिमी वर्चस्व के खिलाफ घोषणाएं जारी करने के बजाय व्यावसायिक और विकासात्मक अवसर भी दे सकता है। इस तरह भारत का लाभ संचयी रहा। क्रेमलिन के इस खुलासे ने कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी ने पुतिन को रूस–यूक्रेन युद्ध का समाधान खोजने में मदद की पेशकश की थी, भारत को एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक अवसर दिया। पुतिन और शी के संघर्ष समाप्त करने में योगदान देने के इस बताए गए संकल्प का राजनीतिक महत्व इसलिए था क्योंकि इसने बातचीत की भाषा को ऐसे मंच के भीतर रखा जिसमें रूस और चीन दोनों शामिल हैं, न कि शांति कूटनीति को पूरी तरह पश्चिमी राजधानियों पर छोड़ दिया। इसलिए ब्रिक्स में प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका कोई भारतीय शांति योजना पेश करना नहीं थी, बल्कि राजनीतिक संवाद की संभावना को जीवित रखना था। यह अंतर मायने रखता है। भारत के पास मॉस्को या कीव को शर्तें मानने के लिए मजबूर करने की शक्ति नहीं है, लेकिन उसके पास रूस और पश्चिम दोनों के साथ ऐसे संबंध हैं जिन्हें बहुत कम अन्य प्रमुख शक्तियां दोहरा सकती हैं। इसलिए भारत के लाभ को एजेंडा–निर्धारण के रूप में समझना सबसे उचित है। नई दिल्ली ने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि ब्रिक्स केवल रूस की रक्षा या पश्चिम पर हमले का मंच बनकर न रह जाए। इसने ₹यान एक व्यापक सिद्धांत की ओर मोड़ा– प्रमुख शक्तियों को संघर्ष समाधान के लिए रास्ते खुले रखने चाहिए, भले ही तत्काल शांति अभी दूर हो। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और अबू ₹ाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालेद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच हुई मुलाकात शिखर सम्मेलन के सबसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण क्षणों में से एक थी। क्षेत्रीय युद्ध के बाद यह उनकी पहली ऐसी मुलाकात थी, और यह वार्ता टकराव का अध्याय बंद करने की इच्छा को दर्शाती है। पेजेशकियान के एक भारतीय टीवी चौनल को दिए साक्षात्कार ने तेहरान के कूटनीतिक संदेश को और मजबूत किया। अमेरिका और इजराइल को असली आतंकवादी बताने वाला उनका बयान ईरान के स्थापित राजनीतिक विमर्श को दर्शाता है, लेकिन बड़ी बात यह थी कि उन्होंने इसे कहने के लिए एक भारतीय मंच चुना। भारत ने तेहरान को दृश्यता दी, बिना इसके कि नई दिल्ली को ईरान के हर दावे का समर्थन करना पड़े। ईरान–यूएई संपर्क ने भारत की एक मेजबान शक्ति के रूप में उपयोगिता को भी उजागर किया। नई दिल्ली ईरान, खाड़ी के राजतंत्रों, इजराइल, रूस और अमेरिका के साथ संबंधा बनाए रखता है। यह नेटवर्क रणनीतिक रूप से इसलिए मूल्यवान है क्योंकि पश्चिम एशिया की अस्थिरता का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी श्रमिकों, शिपिंग मार्गों और चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाओं पर पड़ता है। नई दिल्ली घोषणापत्र में इस तथ्य का उल्लेख कि आज तक किसी महिला को संयुक्त राष्ट्र महासचिव नहीं चुना गया है, शिखर सम्मेलन को एक महत्वपूर्ण संस्थागत आयाम देता है। एंतोनियो गुटेरेस के 2026 के अंत में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने के साथ, यह मुद्दा अब केवल सैद्धांतिक नहीं रहा। अगली चयन प्रक्रिया लैंगिक कमी और वैश्विक दक्षिण के व्यापक कम–प्रतिनिधित्व, दोनों का सामना करने का अवसर प्रदान करती है। ब्रिक्स ने सुरक्षा परिषद में विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व सहित व्यापक संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांग भी की। यह भारत के स्थायी सीट के लिए लंबे समय से चले आ रहे अभियान से सीधे मेल खाता है।

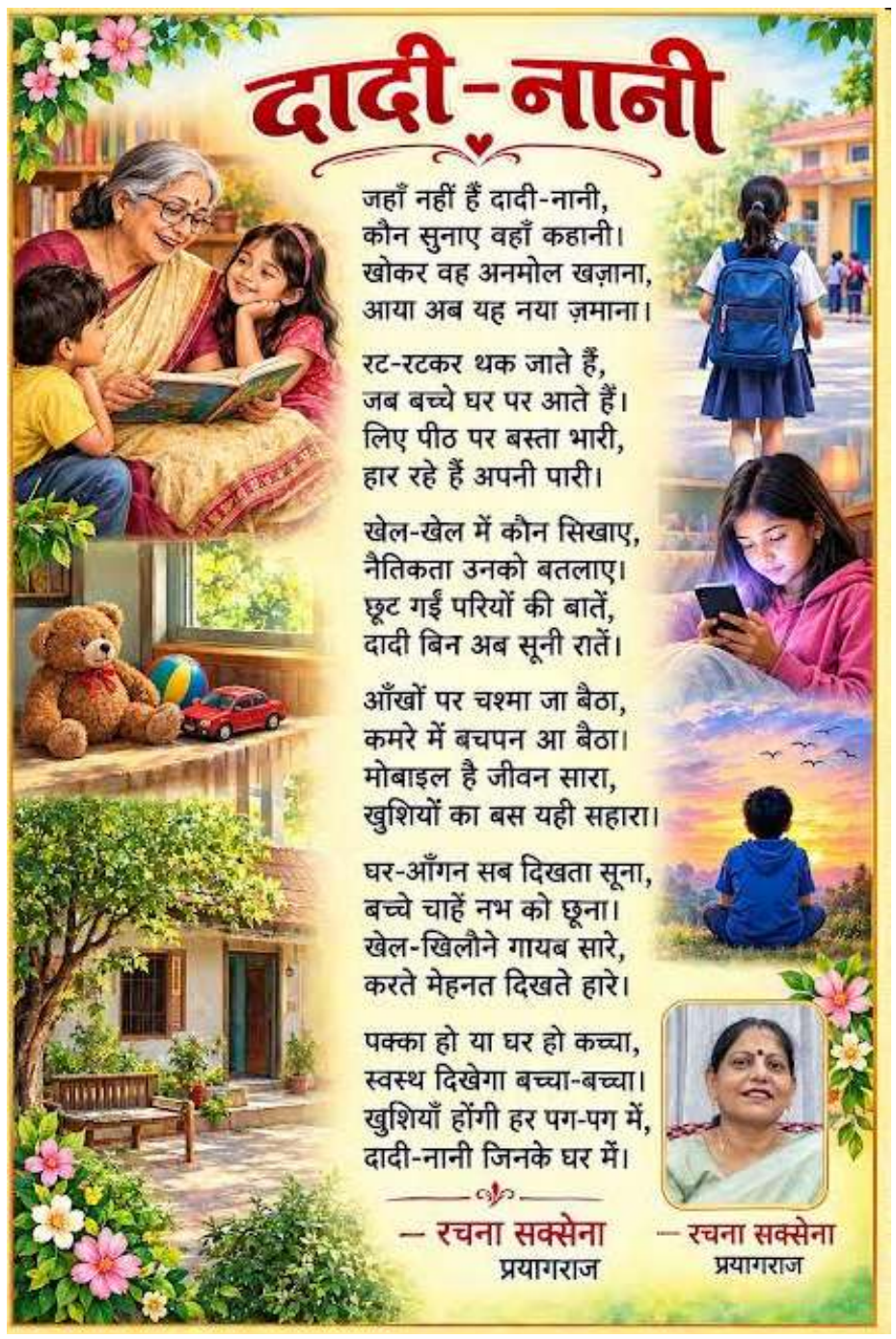

भक्ति

देखने में एक छोटा सा शब्द है भक्ति। परन्तु इस छोटे से शब्द में सत्य रूपी अर्थ की एक सृष्टि समाई हुई है। भक्ति का मार्ग केवल भक्ति का मार्ग होता है। इसकी छाप के उपरांत किसी अन्य चिन्ह की आवश्यकता नहीं रहती। भक्ति स्वयं भक्त का चिन्ह है और समस्त चिन्हों एवं लक्षणों में सर्वोपरि है।

भक्ति ईश्वर की हो या गुरु की,होती है अपने आप और अपनी छाप में अथाह। गुरु भी ईश्वर का वरदान ही होता है और वह अपने शिष्य को ईश्वर की भक्ति के रहस्य और ज्ञान से अवगत कराने वाला होता है। सूफ़ियत के शाइर अमीर खुसरू ने अपने गुरु हज़रत निज़ाम उद्दीन औलिया से अपनी भक्ति व्यक्त करते हुए एक ऐसी रचना रची जिसे बड़े बड़े गायकों ने गाया तो उनकी वह रचना अनगिनत सुनने वालों के होंठों का गीत हो गयी,छाप तिलक सब...

इस रचना को सुना गाया तो बहुत लोगों ने परन्तु समझने का प्रयास कम ही लोगों ने किया होगा,ऐसा मेरा भी मानना है, प्रायः बड़ी रचनाओं के साथ यही होता है। अभी जब कि हिन्दी पखवाड़े के आयोजन और कार्यक्रम चल रहे हैं तो मैंने सोचा कि अच्छा रहेगा यदि पढ़ने वालों के लिए इस रचना की कुछ व्याख्या करने का प्रयास करूँ, जो कर सका प्रस्तुत है..

छाप तिलक सब छिनी रे मोसे नैना मिलायी के,

नैना मिलायी के नैना मिलायी के.....

तेरी कृपा रूपी दिव्य दृष्टि ने मुझे न केवल अहंकार रूपी जकड़न और स्वाभिमान रूपी बंधन से,अपितु उनके लक्षण और चिन्ह से भी मुक्ति दिला दी,यह तेरी दिव्य दृष्टि की कृपा का चमत्कार है

बल बल जाऊ मै तोरे रंग रजवा,

अपने ही रंग रंग लीनी रे मोसे नैना मिलायीके,

छाप तिलक सब छिनी रे मोसे नैना मिलायीके.....

हे रंगने वाले मैं तेरे बलिहारी जाऊँ,तू ने अपनी दिव्य दृष्टि से मुझे अपनी दिव्यता के रंग में रंग लिया, मुझे जकड़न बंधन के लक्षण और चिन्ह से मुक्ति दिला दी तेरी कृपा दृष्टि ने

प्रेम भक्ति का मधुआ पिलाई के,

मतवारी कर दीनी रे मोसे नैना मिलायीके,

छाप तिलक सब छिनी रे मोसे नैना मिलायीके.....

प्रेम की भक्ति का मोह माया से स्वतंत्र कर देने वाला अमृत रस पिला कर,तूने मुझे मतवाली कर दिया,तू ने मेरी मति को सचेत कर दिया मुझ पर कृपा दृष्टि कर के,मुझे बंधन जकड़न के लक्षण और चिन्ह से तेरी दिव्य दृष्टि ने मुक्ति दिला दी

हरी हरी चुड़िया गोरी गोरी बैया,

कलैइया पकड़ धर लीनी रे मोसे नैना मिलायीके,

छाप तिलक सब छिनी रे मोसे नैना मिलायीके.....

तेरी कृपा दृष्टि ने मेरी कलाई पकड़ कर मेरी हरी हरी चूड़ी और गोरी गोरी बाहों को अर्थहीन कर दिया क्योंकि प्रेम अपने आप में सुंदर होता है और भक्ति को किसी अतिरिक्त सौंदर्य की आवश्यकता नहीं होती,मुझे जकड़न बंधन के लक्षण और चिन्ह से मुक्त कर दिया तेरी दिव्य दृष्टि ने

श्याम नाम की मेहंदी रचयिके,

मोहे सुहागन किनी रे मोसे नैना मिलायीके,

छाप तिलक सब छिनी रे मोसे नैना मिलायीके...

तेरी कृपा दृष्टि ने प्रेम भक्ति हेतु मेरे कृष्ण के नाम की मेंहदी रचा कर मुझे सुहागन कर दिया,मुझे परम्परा विधि और पद्धति के बंधन जकड़न के लक्षण और चिन्ह से मुक्त कर दिया तेरी दिव्य दृष्टि ने

भक्ति सदैव प्रेम के साथ होती है क्योंकि प्रेम ही भक्ति का आधार है और प्रेम ही भक्ति का संदेश है। इसकी दिव्यता को केवल प्रेम का आधार ही संभाल सकता है। यह भक्ति जब परिपक्व होती है तो अपने वक्तव्य,आचरण और अस्तित्व में प्रेम का संदेश हो जाती है। भक्ति का चरम प्रेम में परमात्मा और परमात्मा में प्रेम के रहस्य और दर्शन को प्राप्त कर लेना है,यह समझ जाना भक्ति का चरम है कि सृष्टि और रचना से प्रेम ही सृष्टि के रचने वाले परमात्मा का प्रेम है,प्रेम समस्या का समाधान है।

अनवार अब्बास नक़वी

गोविंदा संग अपनी जोड़ी पर बोलीं रवीना टंडन, लोलो और मेरे अलावा उनके साथ कोई नहीं जमता

> आगामी एपिसोड में होस्ट हर्ष लिम्बाचिया के साथ बातचीत के दौरान, रवीना याद करती हैं कि कैसे उन्होंने और गोविंदा ने पहले एक साथ फिल्में साइन की थीं, लेकिन बात नहीं बनी। हालांकि, एक स्टोर खोलने के लिए कलकत्ता की यात्रा के दौरान गोविंदा के साथ अप्रत्याशित बातचीत हुई, जिन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें एक साथ एक फिल्म करनी चाहिए।

अभिनेत्री रवीना टंडन ने गोविंदा के साथ अपनी प्रतिष्ठित ऑन–स्क्रीन जोड़ी को याद करने के बारे में बात की है और कहा है कि करिश्मा कपूर और उनके अलावा, उन्हें नहीं लगता कि कोई और इस स्टार के साथ इतनी शानदार जोड़ी बनाती है। रवीना, जो शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के सेमीफाइनल एपिसोड में एक विशेष अतिथि के रूप में दिखाई देंगी, गोविंदा के साथ अपनी ऑन–स्क्रीन जोड़ी और 1998 की फिल्म दूल्हे राजा के पीछे की दिलचस्प कहानी को याद करती नजर आएंगी। आगामी एपिसोड में होस्ट हर्ष लिम्बाचिया के साथ बातचीत के दौरान, रवीना याद करती हैं कि कैसे उन्होंने और गोविंदा ने पहले एक साथ फिल्में साइन की थीं, लेकिन बात नहीं बनी। हालांकि, एक स्टोर खोलने के लिए कलकत्ता की यात्रा के दौरान गोविंदा के साथ अप्रत्याशित बातचीत हुई, जिन्होंने सुझाव दिया कि उन्हें एक साथ एक फिल्म करनी चाहिए। दूल्हे राजा पर काम शुरू करने से पहले दोनों ने एक मंदिर का दौरा किया। रवीना ने एक बयान में कहा, जी असल में कहानी ऐसी थी कि चीची और मेरा कहीं न कहीं हमने फिल्म साइन की थी लेकिन वो वर्क आउट नहीं हो रही थी, कुछ न कुछ काम नहीं कर रहा था तो फिर एक ऐसा हुआ कि हम कलकत्ता गए स्टोर खोलने के लिए तो चीची ने बोला यार रवीना को कुछ तो करना चाहिए हमें एक फिल्म करनी चाहिए। चाहिए साथ में, मेरी एक फिल्म है चल हम लोग पहले मंदिर चलते हैं फिर हम लोग काली माता रानी के मंदिर गए वहां सुबह 5. 30 बजे पूजा की और फिर आए और अगले दिन हमने दूल्हे राजा शुरू किया और यह हमारे लिए बहुत अच्छा रहा। गोविंदा के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बात करते हुए रवीना ने आगे कहा और मुझे लगता है कि अगर देखा जाए तो आज भी जब चिची जी से बात होती है, तो लोलो और मेरे अलावा, मुझे नहीं लगता कि किसी और की जोड़ी चिची के साथ इतनी शानदार जमती है। डांसिंग की समझ, टाइमिंग की समझ, कॉमेडी की समझ– मैं तो लोगों से कहती हूं कि मैंने कॉमिक टाइमिंग चिची से ही सीखी है। रवीना को यह भी याद है कि कैसे उनके गाने लड़का दीवाना लगे की शूटिंग के दौरान डांस के लिए उनका प्यार एक मजेदार चुनौती में बदल गया था। उन्होंने कहा, तो असल में इसी गाने से शुरुआत हुई थी। एक शॉट में जब आप हम दोनों को एक–दूसरे की तरफ देखते हुए देखेंगे, तो हम दोनों को बहुत हंसी आ रही थी...क्योंकि यह पहली बार था जब हमें पता चला कि हम दोनों को डांसिंग पसंद है और हम सच में डांसिंग में एक–दूसरे को चौलेंज कर रहे थे कि कौन बेहतर शॉट देगा– तुम या मैं। हमारी ट्यूनिंग उसी गाने के दौरान बनी और उसके बाद हमने लगातार गैर, दरिया दिल, घराना और आंटी नंबर 1 जैसी फिल्मों में साथ काम किया इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होता है।

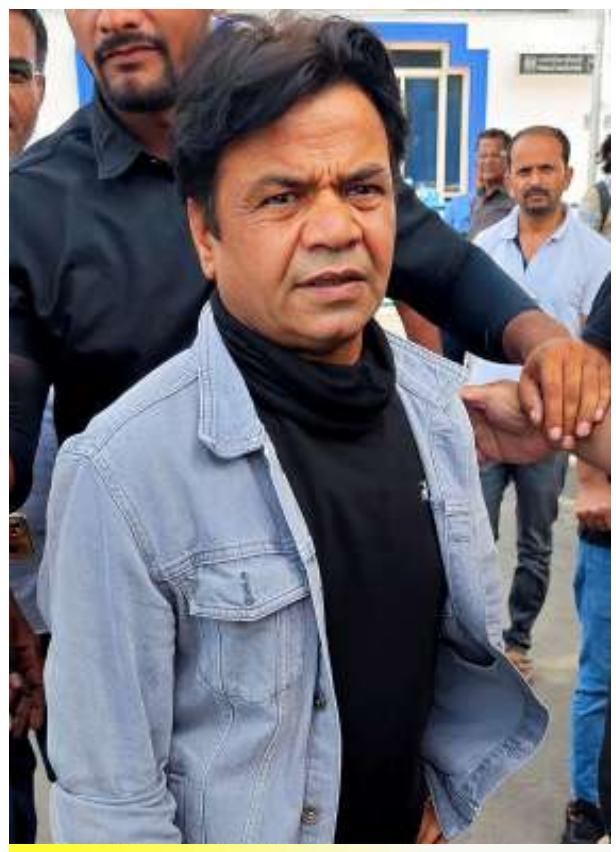

हमारे लिए बड़ी राहत, कोर्ट के आदेश का पालन करेंगे... राजपाल यादव के वकील ने जताई खुशी

सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता राजपाल यादव को एक प्राइवेट शिकायतकर्ता के साथ चल रहे आर्थिक विवाद के मामले में कम से कम 2 करोड़ रुपये जमा करने के लिए आखिरी बार दो हफ्ते का समय दिया है। इस मामले पर बात करते हुए, राजपाल यादव का पक्ष रखने वाले वकील भास्कर उपाध्याय ने मीडिया से कहा और भरोसा दिलाया कि अभिनेता की टीम कोर्ट के आदेशों और निर्देशों का पालन करेगी। उन्होंने कहा, ष्हम इस आदेश का स्वागत करते हैं... कोर्ट ने हमें यह रकम जमा करने के लिए समय दिया है। पहले यह रकम 5 करोड़ रुपये थी। अब कोर्ट ने इसे घटाकर 2 करोड़ रुपये कर दिया है। यह हमारे लिए बड़ी राहत है और हम इस कोर्ट के आदेशों और निर्देशों का पालन करेंगे। यह फैसला तब आया जब भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस मामले में यादव के पिछले व्यवहार से कोर्ट को ज्यादा भरोसा नहीं हुआ। हालांकि, जब उनके वकील ने बेंच को भरोसा दिलाया कि वह तय समय में कम से कम 2 करोड़ रुपये जमा कर देंगे और बाकी रकम के लिए जमानत देंगे, तो कोर्ट ने उन्हें दो हफ्ते का और समय दे दिया। सुनवाई के दौरान, सीजेआई सूर्य कांत ने सवाल किया कि क्या यादव पर अपने वादे को पूरा करने के लिए भरोसा किया जा सकता है क्योंकि इस मामले में उनका पिछला व्यवहार ऐसा नहीं रहा है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, उनके पिछले व्यवहार को देखते हुए... कोई उन पर कैसे भरोसा कर सकता है? वह बॉलीवुड में ड्रामा और एक्टिंग करने में माहिर हैं, वही चीज वह कोर्ट में भी कर रहे हैं। कोर्ट ने गिरफ्तारी से यादव को मिली सुरक्षा को भी अगली सुनवाई तक जारी रखा है, जो 5 अक्टूबर को होनी है। हालांकि, कोर्ट ने अभिनेता को अपना पासपोर्ट सरेंडर करने का निर्देश दिया है। यह विवाद 2010 का है, जब यादव ने डायरेक्टर के तौर पर अपनी पहली फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए दिल्ली की एक कंपनी से लगभग 5 करोड़ रुपये का लोन लिया था। यह कॉमेडी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और कहा जाता है कि यह अपनी लागत भी नहीं निकाल पाई। इसके बाद यादव को लोन चुकाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। ब्याज और अन्य शुल्कों के कारण बकाया रकम समय के साथ बढ़ती गई और कथित तौर पर लगभग 9 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। बाद में इस विवाद के चलते एक्टर के खिलाफ चेक बाउंस का मामला दर्ज हुआ। अभी चल रही कार्यवाही उस रकम से जुड़ी है जिसका दावा प्राइवेट शिकायतकर्ता, यानी मुरली प्रोडक्शंस के मालिक ने किया है।

प्यार हो तो ऐसा, साउथ इंडस्ट्री के फेमस कपल ने 20 साल बाद फिर रचाई शादी... वेडिंग ड्रेस में पत्नी को देख भावुक हुए एक्टर

साउथ इंडस्ट्री के सबसे प्यार के कपल ज्योतिका और सूर्या की शादी को 20 पूरे हो चुके हैं और अपनी वेडिंग एनिवर्सरी पर उन्होंने कुछ ऐसा किया, जिसने सबका ध्यान अपनी तरफ खींच लिया है। एक्ट्रेस ज्योतिका ने अपने स्टार पति सूर्या के साथ शादी की कसमें फिर से दोहराईं। इस जोड़े ने शादी के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाया। यह जश्न किसी परफेक्ट रिश्ते का नहीं, बल्कि उन कमियों, तालमेल, त्याग और समझ का था जिन्होंने उनके साथ के सफर को आकार दिया है। ज्योतिका ने इंस्टाग्राम पर सूर्या के साथ मिलकर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी शादी की कसमें फिर से दोहराईं। वीडियो के साथ एक इमोशनल नोट भी था, जिसमें उन्होंने अपनी कसमों, अपने बच्चों और साथ में बनाई गई जिंदगी को फिर से याद किया। उन्होंने अपने रिश्ते को परफेक्ट समझ वाला लेकिन हम दोनों में कमियों वाला रिश्ता बताया। वीडियो के कैप्शन में इसे द सीक्वल नाम दिया गया। कैप्शन में लिखा था– शादी की कसमें फिर से दोहराना, हमारे प्यार और तकरार के 20 सालों का जश्न। और नहीं, यह किसी परफेक्ट शादी का जश्न नहीं है। यह कमियों, तालमेल, समझ, त्याग और एक–दूसरे को निस्वार्थ भाव से प्यार करने का जश्न है। यह हम का जश्न है। हम एक–दूसरे के लिए जैसे बन गए हैं, उसका जश्न। कितनी अजीब बात है– एक सपना जो असलियत से बहुत दूर लगता था, अब वह असलियत बन गया है जिसके बारे में मैं अपनी पूरी जिंदगी सपने देखती रहूंगी ! तो ये हैं मेरी कसमें – मैं खुश रहने का वादा करती हूँ कृ क्योंकि मैं जिंदगी का सिर्फ पॉजिटिव पहलू देखना चुनती हूं। मैं जिंदगी का जश्न मनाने का वादा करती हूं क्योंकि जिंदगी अपने आप में एक तोहफा है, जब वह इंसान जिससे आप प्यार करते हैं, आपकी इज्जत खुद से भी ज्यादा करे। एक कसम कभी शिकायत न करने की थी। मैं कभी शिकायत न करने का वादा करती हूं– क्यों करूं ? जब आसमान जैसी विशाल चीज को भी जमीन को छूने का मौका नहीं मिलता ! अपने आस–पास देखो, दुनिया में हर चीज अधूरी है। यह हम पर है कि हम उन कमियों को कैसे भरते हैं। एक और कसम शुक्रगुजार होने की थी। मैं शुक्रगुजार होने का वादा करती हूं क्योंकि हर सुबह मैं उस इंसान की बाहों में जागती हूं जो मेरी रक्षा करता है, और अपने प्यारे बच्चों के लिए जिन्होंने मेरी जिंदगी को एक मकसद दिया है। और मुझे जीने की वजह दी है। मैं सेहतमंद रहने का वादा करती हूं क्योंकि यही एकमात्र असली संपत्ति है जिसे हम बनाते हैं। यहाँ तक कि सबसे शानदार ईंटों वाले घरों में भी कभी न कभी लीकेज, दीमक और मरम्मत की जरूरत पड़ती ही है, तीसरी कसम में यह लिखा था। चौथा वादा है अपने बच्चों के लिए सबसे अच्छी मां बनना।"मैं सबसे अच्छी माँ बनने का वादा करती हूं इसलिए नहीं कि मैं खाना बनाती हूँ, घर साफ करती हूँ या मदद करती हूँ, बल्कि इसलिए कि मैं मुस्कुराती हूँय एक ऐसी मुस्कान जो मेरे बच्चों को उस कहानी को फिर से जीने का मन कराती है जो उनके अप्पा–अम्मा ने जी थी।" सूर्या से वादा करते हुए, ज्योतिका ने कहा कि वह एक इम्परफेक्ट (पूर्ण नहीं) पत्नी बनी रहेंगी और अपनी दोस्ती को भी संजोकर रखेंगी। "मेरे सूर्या, मैं वादा करती हूं कि मैं हमेशा वही इम्परफेक्ट पत्नी बनी रहूंगी, जो झगड़ती है और फिर सुलह कर लेती है, ताकि हर बार तुम्हारे और करीब आ सकूं। मैं वादा करती हूं कि हमारी दोस्ती को सबसे ज्यादा अहमियत दूंगी क्योंकि अपने बराबर का साथी, अपना राजदार, गपशप करने वाला साथी और अपना सबसे अच्छा दोस्त कृ ये सब एक ही खास इंसान में मिलना बहुत मुश्किल है, जो तुम्हारा पति भी हो और तुम्हारे बच्चों का पिता भी। तो, हमारे अगले बीस सालों के नाम– हम इम्परफेक्ट लोग, लेकिन हमारी समझ एकदम परफेक्ट।"

बप्पा की विदाई में झूम उठा अंबानी परिवार, राधिका मर्चेंट ने जमकर किया डांस

मुंबई में विसर्जन के दौरान जब अंबानी परिवार ने भगवान गणेश को विदाई दी, तो भक्ति, जीवंत रंगों, संगीत और नृत्य से भरा एक जश्न देखने को मिला। बुधवार आधी रात को, अंबानी परिवार के सदस्य– जिनमें नीता अंबानी, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट शामिल थे। गणेश चतुर्थी के लिए अपने घर लाई गई भगवान गणेश की मूर्ति के विसर्जन समारोह में शामिल होने के लिए बाहर निकले। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में राधिका और अनंत को भगवान बप्पा को विदाई देते हुए जमकर डांस करते देखा जा सकता है। जब मूर्ति को विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा था, तो परिवार के सदस्यों को उत्साह और भक्ति के साथ उत्सव में भाग लेते देखा गया। गणेश चतुर्थी के पहले दिन, अंबानी परिवार ने मुंबई में अपने घर एंटीलिया में परिवार, इंडस्ट्री के दोस्तों और सहयोगियों के लिए एक भव्य कार्यक्रम भी आयोजित किया था। इस जश्न में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं, जिनमें सैफ अली खान और करीना कपूर, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट, रणवीर सिंह, सलमान खान, जाह्नवी कपूर, खुशी कपूर, अर्जुन कपूर, माधुरी दीक्षित और उनके पति श्रीराम नेने, कैटरीना कैफ और विक्की कौशल, दिशा पाटनी, कृति सेनन, करण जौहर, काजोल, बोमन ईरानी, अनिल कपूर, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, रेखा, सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी, वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल, और रितेश देशमुख और जेनेलिया डिसूजा जैसे कई सितारे अंबानी परिवार के साथ जश्न मनाने पहुंचे। गणेश चतुर्थी भगवान गणेश के जन्म का शुभ त्योहार है, जिसे मूर्तियों की स्थापना, पूजा–अर्चना, भोग और उत्सवों के साथ मनाया जाता है।

इस त्योहार के दौरान भक्त भगवान गणेश की पूजा करते हैं, जिन्हें बुद्धि, समृद्धि और बाधाओं को दूर करने वाला देवता माना जाता है। पारंपरिक रूप से इस त्योहार का समापन गणेश विसर्जन के साथ होता है, जब भक्तिपूर्ण मंत्रों और उत्सव के माहौल में मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता है।

दिनभर की थकान और पैरों के भारीपन से राहत दिलाएगा सेंधा नमक वाला 20 मिनट प्योडीक्योर

दिनभर की भागदौड़ के बाद पैरों के दर्द और थकान से राहत पाने के लिए सेंधा नमक का उपाय बेहद कारगर है। गुनगुने पानी में सेंधा नमक और लैवेंडर या नीलगिरी तेल मिलाकर बीस मिनट पैर डुबोकर रखें। इसके बाद नारियल या जैतून के तेल से मालिश करने से पैरों की जकड़न दूर होती है और रक्त संचार सुधरता है।

दिनभर की भागदौड़ और घर और घर से ऑफिस के चलते थकान होना आम बात है। कई बार लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने या हील्स पहनने से पैरों में थकान, जकड़न और सूजन आ जाती है। दिन तो कैसे भी कट ही जाता है, लेकिन शाम के समय पैरे इतने भारी और दर्दभरे लगने लगते हैं कि कई बार चलना भी मुश्किल हो जाता है।

ऐसे समय में हर कोई अपने पैरों को आराम देना चाहता है। यदि आपके साथ भी ऐसा होता है और आपके पैर शाम होते ही थक जाते हैं, तो आप घर पर ही सेंधा नमक का बहुत ही सिंपल उपाय अपना सकते हैं।

सेंधा नमक वाला पेडीक्योर सोक

– इसके लिए आप एक बड़े टब में गुनगुना पानी भरें।

– अब इसमें 2 से 3 चम्मच सेंधा नमक मिलाएं।

– अपने पैरों को इस घोल में 20 मिनट के लिए डुबोकर रखें।

– थोड़ी देर के बाद पैरों को बाहर निकालकर साफ तौलिए से पोंछ लें।

सेंधा नमक के साथ मिलाएं ये 2 चीजें

– अब आप टब के पानी में सेधा नमक के अलावा लैवेंडर ऑयल या नीलगिरी के तेल की कुछ बूंदें मिला सकती हैं।

– लैवेंडर का तेल मांसपेशियों को शांत करने और आराम पहुंचाने में मदद करता है, वहीं नीलगिरी का तेल पैरों की दुर्गंध और बैक्टीरिया को दूर कर सकता है।

– इस उपाय को आप 1 हफ्ते में 1 से 2 बार शाम के समय कर सकते हैं। यह आपको काफी आराम देगा।

सोक के बाद पैरों की मालिश करने का सही तरीका

– जब आप पैरों को 20 मिनट पानी में रखने के बाद टब से निकालें और हल्के हाथों से एड़ियों की सफाई करें, अब तैलिए से पोंछ लें।

– इसके बाद नारियल तेल या जैतून के तेल से तलवों और उंगलियों की मालिश कर लें।

– ऐसा करने से फटी एड़ियों की समस्या से राहत मिलेगी और ब्लड सर्कुलेशन सही बना रहता है।

बार-बार हो रही खांसी? आजमाएं नानी मां का नुस्खा, जानें कैसे मिलेगा आराम

मौसम बदलते ही सर्दी–जुकाम, गले में खराश और खांसी जैसी परेशानियां आम हो जाती हैं। ऐसे में घर के बड़े–बुजुर्ग अक्सर लौंग का नुस्खा आजमाने की सलाह देते हैं। लौंग का इस्तेमाल लंबे समय से गले की परेशानी और सर्दी–जुकाम में किया जाता रहा है। इसे चाय, गर्म पानी या दूसरे घरेलू तरीकों से लिया जाता है। हालांकि, लौंग खांसी को ठीक करने की दवा नहीं है, लेकिन गले की जलन और असहजता में कुछ लोगों को इससे थोड़ी राहत मिल सकती है।

खांसी में कैसे मदद कर सकती है लौंग?

लौंग में म्नहमदवस नाम का एक प्रमुख कंपाउंड पाया जाता है। एनसीबीआई में उपलब्ध वैज्ञानिक रिव्यू में म्नहमदवस के एंटी–इंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटीमाइक्रोबियल गुणों का जिक्र मिलता है। इन्हीं गुणों की वजह से लौंग गले में होने वाली जलन या सूजन को कम करने में कुछ भूमिका निभा सकती है। हालांकि, यह समझना जरूरी है कि लौंग के इन गुणों का मतलब यह नहीं है कि यह हर तरह की खांसी का इलाज कर सकती है। खांसी की वजह अलग–अलग हो सकती है और लौंग से मिलने वाली राहत भी हर व्यक्ति में एक जैसी नहीं होती।

सूखी खांसी में कैसे लें लौंग?

सूखी खांसी में बलगम नहीं निकलता, लेकिन गले में खुजली, खराश या जलन महसूस हो सकती है। ऐसे में गर्म पानी से बनी हल्की लौंग की चाय गले को गर्माहट दे सकती है और कुछ लोगों को आराम महसूस हो सकता है। इसके लिए 1–2 लौंग लें और उन्हें करीब 1 कप गर्म पानी में डाल दें। इसे कुछ मिनट ढककर रखें और पानी हल्का ठंडा होने के बाद पी सकते हैं। चाय को बहुत गाढ़ा बनाने या ज्यादा लौंग डालने की जरूरत नहीं है।

बलगम वाली खांसी में क्या करें?

बलगम वाली खांसी में शरीर बलगम को बाहर निकालने की कोशिश करता है। इसलिए हर स्थिति में खांसी को दबाना जरूरी नहीं होता। लौंग को गर्म पानी या हल्की चाय के रूप में लिया जा सकता है, लेकिन ऐसा कोई मजबूत प्रमाण नहीं है कि इससे फेफड़ों में जमा बलगम साफ हो जाता है। अगर लगातार बलगम बन रहा है, सांस लेने में परेशानी हो रही है, सीने में दर्द है या कई दिनों तक खांसी ठीक नहीं हो रही, तो घरेलू नुस्खे पर निर्भर रहने के बजाय डॉक्टर से जांच करवाना जरूरी है।

लौंग और शहद साथ लेने से क्या फायदा?

लौंग और शहद का इस्तेमाल भी गले की खराश और खांसी में घरेलू नुस्खे के तौर पर किया जाता है। इसमें मिलने वाली राहत का श्रेय सिर्फ लौंग को देना सही नहीं होगा। उपलब्ध शोध में शहद को खांसी और कफ कम करने में मददगार पाया गया है, खासकर बच्चों में किए गए कुछ अध्ययनों में इसका लाभ देखा गया है। लौंग में मौजूद म्नहमदवस के कई संभावित फायदे जरूर हैं, लेकिन खांसी के इलाज के तौर पर इसकी प्रभावशीलता को लेकर मजबूत क्लीनिकल सबूत अभी सीमित हैं। इसलिए हल्की खांसी या गले की खराश में 1–2 लौंग से बनी हल्की चाय या गर्म पानी कुछ लोगों को राहत दे सकता है, लेकिन इसे दवा या इलाज का विकल्प नहीं समझना चाहिए।

ज्यादा लौंग लेना भी हो सकता है नुकसानदायक

लौंग प्राकृतिक मसाला है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसे किसी भी मात्रा में लिया जा सकता है। खासतौर पर लौंग के तेल का इस्तेमाल बिना डॉक्टर या विशेषज्ञ की सलाह के नहीं करना चाहिए। जरूरत से ज्यादा लौंग या उसका तेल नुकसान पहुंचा सकता है। अगर खांसी लगातार बनी हुई है, बहुत ज्यादा हो रही है या इसके साथ सांस फूलना, सीने में दर्द जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं, तो घरेलू नुस्खों के बजाय डॉक्टर से सलाह लेकर खांसी की सही वजह पता करना ज्यादा जरूरी है।

गोल नहीं लंबी काली मिर्च के हैं ज्यादा फायदे, ये ना कभी होने देगी जोड़ों में दर्द और ना ही इंफेक्शन

जब हम मसालों के बारे में सोचते हैं, तो अक्सर काली मिर्च का ख्याल आता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसकी करीबी रिश्तेदार लंबी मिर्च (पाइपर लॉन्गम) का इस्तेमाल सदियों से पारंपरिक दवाओं में किया जा रहा है? उंगली जैसी दिखने वाली यह पतली मिर्च सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है और आपकी सेहत को कई तरह से बेहतर बना सकती है। चलिए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

लंबी मिर्च क्या है?

लंबी मिर्च जिसे पिप्पली भी कहा जाता है, भारत और दक्षिण–पूर्व एशिया में पाई जाने वाली एक फूल वाली बेल है। इसका स्वाद हल्का मीठा और तीखा होता है यह काली मिर्च से ज़्यादा तीखी होती है, लेकिन मिर्च (चिली) से कम तीखी होती है। आयुर्वेद और पारंपरिक चीनी चिकित्सा में लंबे समय से इसके औषधीय गुणों के कारण इसका इस्तेमाल किया जाता रहा है।

पिप्पली के फायदे

डाइजेशन बढ़ाता है: पिप्पलीडाइजेस्टिव एंजाइम को बढ़ाता है, जिससे आपके शरीर को खाना ज़्यादा अच्छे से पचाने में मदद मिलती है। यह ब्लोटिंग, गैस और इनडाइजेशन इसे राहत दिला सकता है। डाइजेशन को बेहतर बनाने के लिए खाने से पहले एक चुटकी पिपर पाउडर शहद में मिलाएं।

इम्यूनिटी मजबूत करता है: एंटीऑक्सीडेंट और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर, पिप्पली इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करता है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। कॉमन कोल्ड और कफ, रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन, सीजनल एलर्जी में इसका इस्तेमाल किया जाता है। फ्लू के मौसम में अदरक और शहद वाली पिप्पली चाय ट्राई करें।

सांस लेने की परेशानी से राहत: पिप्पली एक नेचुरल एक्सपेक्टोरेंट (बलगम निकालने वाली दवा) की तरह काम करती है, जो बलगम को साफ करती है और सांस लेने में आसानी देती है। यह अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, पुरानी खांसी की समस्या के लिए फायदेमंद पिप्पली, शहद और गर्म पानी का मिश्रण गले की खराश को ठीक कर सकता है।

दिमाग की कार्यक्षमता बढ़ाती है: रिसर्च से पता चलता है कि पिप्पली दिमाग में ब्लड फ्लो बढ़ाकर याददाश्त और सोचने–समझने की क्षमता (कॉग्निटिव फंक्शन) में सुधार कर सकती है। यह याददाश्त कम होना, मानसिक थकान, तनाव और एंग्जायटी के लिए फायदेमंद है। आराम पाने के लिए सोने से पहले गर्म दूध में एक चुटकी पिप्पली पाउडर मिलाएं।

जोड़ों के दर्द और सूजन से राहत: इसके एंटी–इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण पिप्पली गठिया (आर्थराइटिस), मांसपेशियों का दर्द, जोड़ों में अकड़न जैसी समस्याओं को कंट्रोल करने में मदद करती है। दर्द वाले जोड़ों पर पिप्पली और तिल के तेल का पेस्ट लगाया जा सकता है।

दिल की सेहत सुधारती है: पिप्पली कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करती है, जिससे दिल की बीमारी का खतरा कम होता है। दिल की सेहत के फायदों के लिए सलाद या सूप पर थोड़ा सा पिप्पली पाउडर छिड़कें।

डायबिटीज कंट्रोल करने में भी मददगार: कुछ रिसर्च से पता चलता है कि पिप्पली ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करती है। डायबिटीज के मरीजों को इसके नियमित इस्तेमाल से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

डाइट में पिप्पली का इस्तेमाल करने के तरीके

पाउडर के रूप में: सूप, चाय या स्मूदी में एक चुटकी मिलाएं।

साबुत सूखी पिप्पली: स्टू में इस्तेमाल करें या पीसकर मसालों के मिश्रण में मिलाएं।

आयुर्वेदिक उपाय: फायदे के लिए इसे शहद, घी या गर्म दूध के साथ मिलाएं।

ध्यान दें: कम मात्रा से शुरुआत करें। ज़्यादा मात्रा से पेट में जलन हो सकती है।

ट्रेडिशनल लुक की खूबसूरती बढ़ाएंगे रूबी-पर्ल और फ्लोरल नथ डिजाइंस

तीज–त्योहारों पर ट्रेडिशनल लुक को खास बनाने के लिए एक परफेक्ट नथ अहम भूमिका निभाती है। महिलाएं अपनी साड़ी या सूट के साथ हाफ–मून, कुंदन–पर्ल, रूबी, ग्रीन एमराल्ड और फ्लोरल जैसी ट्रेंडी नथ डिजाइंस चुन सकती हैं। ये स्टनिंग डिजाइंस आपके एथनिक लुक में चार चांद लगाने के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। भारतीय संस्कृति में कोई भी तीज–त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास और पवित्र माना जाता है। महिलाएं तीज–त्योहार के मौके पर एथनिक आउटफिट के साथ–साथ सोलह श्रृंगार करती हैं। वहीं सोलह श्रृंगार में एक से बढ़कर एक ज्वेलरी को भी शामिल किया जाता है। वहीं अगर आप भी किसी ऐसे ही खास मौके पर भीड़ से अलग और खूबसूरत दिखने की चाहत रखती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप अपनी सूट या साड़ी के साथ कुछ ट्रेंडी नथ डिजाइंस को शामिल कर सकती हैं। क्योंकि एक परफेक्ट नथ आपके ट्रेडिशनल और एथनिक लुक में चार चांद लगा सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 7 ट्रेंडी और स्टनिंग नथ डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं।

7 ट्रेंडी और स्टनिंग नथ डिजाइंस

मल्टी–कलर हाफ–मून प्रेसिंग नथ

किसी भी खास मौके पर अपनी खूबसूरती को बढ़ाने के लिए आप मल्टी–कलर हाफ–मून प्रेसिंग नथ पहन सकती हैं। यह डिजाइन महाराष्ट्रीयन नौवारी साड़ी या सिल्क साड़ियों के साथ काफी ज्यादा अच्छा लगेगा।

कुंदन और पर्ल–बॉर्डर राउंड नथ

नथ हमारे फेस के लुक को बदल देती है। आप क्लासिक गोल नथ को भी किसी खास मौके पर पहनने के लिए चुन सकती हैं। यह आपको एथनिक लुक देने में मदद करेगी। इसको आप सिर्फ साड़ी के साथ नहीं बल्कि हैवी अनारकली सूट के साथ भी पहन सकती हैं।

अर्धचंद्राकार रूबी–पर्ल नथ

अगर इस तीज–त्योहार के मौके पर आप भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं, वहीं आप कांजीवरम या बनारसी साड़ी कैरी कर रही हैं। तो उसके साथ अर्धचंद्राकार रूबी–पर्ल नथ पेयर कर सकती हैं। इससे न सिर्फ आपकी साड़ी का लुक अट्रैक्टिव लगेगा, बल्कि आपकी खूबसूरती में भी चार चांद लग जाएंगे।

क्लासिक ग्रीन एमराल्ड गोल नथ

इस तरह की नथ को भी आप किसी खास मौके पर पहन सकती हैं। आप पेस्टल कलर के आउटफिट के साथ इसको पेयर कर सकती हैं। वहीं अपने लुक को बेहतर बनाने के लिए ग्रीन एमराल्ड वाले इयररिंग्स कैरी करें। यह आपकी खूबसूरती को दोगुना कर देंगे।

फ्लोरल क्लस्टर और हैंगिंग नोज पिन

इन दिनों महिलाओं के बीच फूलों के पैटर्न वाले नथ डिजाइंस को काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। ऐसे में किसी भी खास मौके पर पहनने के लिए यह नथ परफेक्ट ऑप्शन है। नई–नवेली दुल्हनों के लिए खासकर यह नथ बेस्ट चॉइस है। आप इसको ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स से भी खरीद सकती हैं।

पैसले या केरी मोटिफ नोज पिन

अगर आपको भी भारी नथ कैरी करना पसंद नहीं है, तो आप छोटी या फिर हल्की नथ पहन सकती हैं। इसके लिए पैसले या केरी मोटिफ नोज पिन एकदम परफेक्ट रहेगी। इसको पहनकर न सिर्फ आप भीड़ से हटकर नजर आएंगी, बल्कि आपको नजदीकी ज्वेलरी शॉप से इस तरह के नथ डिजाइंस आसानी से मिल जाएंगे।

फ्लोरल कुंदन क्लस्टर नथ

आप किसी भी तीज–त्योहार पर इस तरह की फ्लोरल मोती नथ को पहनकर अपनी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती हैं। इस नथ का शेप फूल की तरह होता है, जिसको पहनकर आप सबसे अलग लगेंगी। इसको आप इंडो वेस्टर्न, शरारा सूट या किसी भी ट्रेडिशनल आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं।

संक्षिप्त

आईएमएफ ने भारत को बताया Global Growth का मजबूत आधार, नीतियों और स्थिरता की सराहना की

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के उप प्रबंध निदेशक निगेल क्लार्क ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में वैश्विक आर्थिक वृद्धि का प्रमुख आधार बना हुआ है। मजबूत आर्थिक बुनियाद और बेहतर नीतिगत ढांचा भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है। क्लार्क पिछले सप्ताह भारत की यात्रा पर आए थे। इस दौरान उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा, नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी और उद्योग जगत के दिग्गजों के साथ बैठकें कीं। क्लार्क ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, ''भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में वैश्विक वृद्धि का प्रमुख आधार बना हुआ है और उसे मजबूत आर्थिक बुनियाद तथा बेहतर नीतिगत ढांचे का समर्थन मिल रहा है।'' आईएमएफ के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नीति–निर्माताओं के साथ उनकी बातचीत में भारत की आर्थिक स्थिति, बदलते वैश्विक माहौल और टिकाऊ एवं समावेशी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा हुई। क्लार्क ने कहा, ''भारत में वैश्विक वृद्धि की अगली लहर को गति देने की क्षमता है और आईएमएफ इस यात्रा में देश का समर्थन करने वाला एक करीबी भागीदार बना हुआ है।'' उन्होंने सात से 11 सितंबर तक भारत की यात्रा के दौरान मुंबई और चेन्नई में सरकारी अधिकारियों तथा उद्योग जगत के लोगों के साथ भी बैठकें कीं। क्लार्क ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ी अनिश्चितता और बदलते जोखिमों के बीच व्यापक आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनाए रखना बेहद जरूरी है। आईएमएफ अधिकारी ने बहुपक्षवाद और क्षेत्र के अन्य देशों के लिए भारत सरकार के लगातार समर्थन के लिए भारत का आभार भी जताया।

व्यापारियों के 2000 रुपये से अधिक यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत MDR लागू

सरकार ने 15 अक्टूबर से व्यापारियों को 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लागू किया है। यूपीआई लेनदेन पर व्यापारी छूट दर (एमडीआर) के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं 2,000 रुपये तक के यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर नहीं लगाया जाएगा। 2,000 रुपये से अधिक के ग्राहक–से–व्यापारी लेनदेन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा। 3,000 रुपये की खरीदारी पर 0.4 प्रतिशत की दर से व्यापारी द्वारा जमाकर्ता बैंक को 12 रुपये का शुल्क देना होगा। यह कमीशन बैंकों सहित संपूर्ण भुगतान तंत्र के साझेदारों के बीच साझा किया जाएगा। लेनदेन मूल्य की परवाह किए बिना व्यक्तियों के बीच होने वाले (पी2पी) लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। 75,000 रुपये और उससे अधिक के उच्च–मूल्य वाले भुगतान पर एमडीआर अधिकतम 300 रुपये प्रति लेनदेन तक सीमित रहेगा। दूरसंचार, बीमा और ईंधन जैसे आवश्यक क्षेत्रों को प्रति लेनदेन पांच रुपये का एकमुश्त एमडीआर देना होगा। म्यूचुअल फंड और स्टॉक ब्रोकर को किए जाने वाले भुगतान पर अधिकतम 300 रुपये की सीमा के साथ 0.02 प्रतिशत एमडीआर लगेगा। प्रति माह एक लाख रुपये तक प्राप्त करने वाले छोटे व्यापारियों के लिए सभी लेनदेन पर अनिवार्य रूप से शून्य एमडीआर की सुविधा मिलेगी। यूपीआई ऐप प्रदाताओं पर मंच शुल्क या कोई भी छिपा हुआ शुल्क लगाने पर प्रतिबंध रहेगा। बैंकों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि व्यापारी यूपीआई भुगतान के लिए उपभोक्ताओं पर एमडीआर शुल्क का बोझ न डालें। व्यक्तियों के लिए मुफ्त यूपीआई लेनदेन पर कोई मासिक कोटा, मात्रा की सीमा या श्रेणीबद्ध सीमा नहीं होगी। बैंकों और एनपीसीआई द्वारा लागू दैनिक लेनदेन सीमा श्रेणी के आधार पर एक से पांच लाख रुपये बनी रहेगी। कुल एमडीआर संग्रह के पांच प्रतिशत योगदान के साथ छोटे व्यापारियों द्वारा यूपीआई के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष कोष स्थापित किया जाएगा। एमडीआर लागू होने से केवल चार प्रतिशत मर्चेंट लेनदेन ही प्रभावित होंगे। नया एमडीआर ढांचा 15 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी होगा।

EPFO Wage Limit बढ़कर हुई 25,000 प्रति माह, 51 लाख कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए वेतन सीमा को 15,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रति माह करने को मंजूरी दे दी। इस कदम से 51 लाख से ज़्यादा अतिरिक्त कर्मचारियों के अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा कवरेज के दायरे में आने की उम्मीद है। इस फ़ैसले की घोषणा केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद एक ब्रीफ़िंग में की। सरकार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, श्रम और रोज़गार मंत्रालय के वेतन सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी। अभी, अगर कोई नया कर्मचारी 15,000 प्रति माह से ज़्यादा वेतन पर नौकरी शुरू करता है, तो वह अपने–आप EPF सिस्टम में शामिल नहीं होता है और अनिवार्य प्रॉविडेंट फंड, पेंशन और उससे जुड़े इंश्योरेंस कवरेज से बाहर रह सकता है। अब सीमा को बढ़ाकर 25,000 करने से, 15,000 से 25,000 प्रति माह वेतन पाने वाले कर्मचारी कानूनी सोशल सिक्योरिटी सिस्टम के दायरे में आ जाएंगे। इस कदम से प्रॉविडेंट फंड की बचत, एम्प्लॉइज पेंशन स्कीम के तहत पेंशन सुरक्षा और एम्प्लॉइज डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस स्कीम के तहत इंश्योरेंस सुरक्षा तक पहुंच बढ़ेगी, जो स्कीम के नियमों के अधीन होगी। EPFO वेतन सीमा में आखिरी बार सितंबर 2014 में बदलाव किया गया था, जब इसे बढ़ाकर 15,000 किया गया था। उससे पहले, 2004 से 2014 के बीच यह सीमा बदली नहीं गई थी। सरकार ने कहा कि हालिया बदलाव से पता चलता है कि इस दौरान मज़दूरी में लगातार बढ़ोतरी हुई है, लोगों की आय बढ़ी है और औपचारिक रोज़गार का दायरा बढ़ा है। इस बढ़ोतरी के बाद सरकार का सालाना खर्च लगभग 11,339 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जबकि अभी यह सालाना बजट सहायता लगभग 10,250 करोड़ रुपये है।

नितीश कुमार रेड्डी ने चोट से उबरकर की दमदार वापसी, अफगानिस्तान के खिलाफ झटके 3 विकेट

भारतीय ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे T20I में 3/24 का शानदार स्पेल डालकर भारत की जीत पक्की की। चोट के बाद रिहैब से लौटे नितीश ने इस प्रदर्शन पर खुशी जताई और टीम मैनेजमेंट के भरोसे व सकारात्मक सोच को अपनी सफलता का आधार बताया।

मैच जिताने वाली गेंदबाज़ी के बाद, भारतीय ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में रिहैब के दौरान बिताए समय और चोटों व खराब प्रदर्शन के बावजूद अपनी सकारात्मकता बनाए रखने के बारे में बात की। अब, यह युवा ऑलराउंडर अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ दूसरे T20I में तीन विकेट लेने से मिले आत्मविश्वास को आगे ले जाना चाहता है। सनराइजर्स हैदराबाद के साथ शानदार इंडियन प्रीमियर लीग सीज़न के बाद चोटों और रिहैब की वजह से महीनों तक मैदान से दूर रहने के बाद, नितीश ने मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ 3/24 के आंकड़े के साथ भारत को तेज़ गेंदबाज़ी करने वाले ऑलराउंडर के तौर पर एक बड़ी उम्मीद दी और अपनी गेंदबाज़ी से भारत के लिए सीरीज़ पक्की कर दी। 2026 सीज़न में 13 पारियों में एक अर्धशतक के साथ 302 रन बनाने और 140 किमी/घंटा की रफ़्तार तक पहुँचने (जिससे उन्हें आठ विकेट मिले) के बाद, नीतीश उस लय को बरकरार नहीं रख पाए; अफ़गानिस्तान के खिलाफ़ वनडे सीरीज़ के दौरान जांघ की चोट (क्वाड्रिसेप्स इंजरी) के कारण वह आयरलैंड, इंग्लैंड और ज़िम्बाब्वे के खिलाफ़ T20I सीरीज़ से बाहर हो गए। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के बैकअप/रिप्लेसमेंट के तौर पर देखे जाने वाले 23 वर्षीय नीतीश, एक गेंदबाज़ के तौर पर अपनी कला को निखारने के लिए ज़रूरी काफ़ी कीमती मैच–टाइम नहीं खेल पाए। हालांकि, अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ दूसरे T20I मैच में नीतीश ने कप्तान इब्राहिम ज़दरान, गुलबदीन नायब और राशिद खान के अहम विकेट लिए और तीन ओवर में 3/24 का शानदार स्पेल डाला, जिससे उन पर से कुछ समय के लिए दबाव हट गया है। BCCI के एक वीडियो में नीतीश ने कहा कि इंसान को पॉज़िटिव रहना चाहिए और भगवान सही समय पर फल देते हैं। नीतीश, जिनकी पहले T20I में दो ओवर में 30 रन की पिटाई हुई थी, ने टीम मैनेजमेंट से मिले सपोर्ट और अपने करियर के लिए आने वाले दिनों में बहुत अहम साबित हो सकने वाले इस बॉलिंग परफ़ॉर्मेंस पर खुशी ज़ाहिर की। नीतीश ने कहा कि बस आपको मानसिक रूप से पॉज़िटिव रहना है और अच्छा काम करना है, और भगवान आपको सही समय पर सब कुछ देंगे। बहुत अच्छा लगता है; चोट से वापसी करने वाले हर खिलाड़ी को कॉन्फिडेंस की ज़रूरत होती है। सच कहूँ तो, पहला गेम मेरे लिए उतना अच्छा नहीं था, लेकिन दूसरे गेम में मुझे ज़्यादा खुशी हुई, क्योंकि किसी भी खिलाड़ी को ऐसे कॉन्फिडेंस की ज़रूरत होती है, और मुझे उम्मीद है कि मैं यह कॉन्फिडेंस आगे भी बनाए रखूँगा। भारतीय टीम का हिस्सा बनना हमेशा गर्व की बात होती है, और मैनेजमेंट ने मुझे काफ़ी मौके दिए हैं और मुझ पर बहुत भरोसा दिखाया है। मुझे लगता है कि एक खिलाड़ी को असल में इसी चीज़ की ज़रूरत होती है, और मुझे मैनेजमेंट से यह मिल रहा है; मैं इससे काफ़ी खुश हूँ।

एशियन गेम्स से चोट के कारण बाहर हुए वरुण चक्रवर्ती, बीसीसीआई ने विपराज निगम को देगी मौका!

भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती साइड स्ट्रेन की चोट के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई अब उनकी जगह दिल्ली कैपिटल्स के युवा ऑलराउंडर विपराज निगम को टीम में शामिल करने की तैयारी में है। विपराज ने हाल ही में गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था।

भारत के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को आने वाले एशियाई खेलों से बाहर कर दिया गया है। अरुण जेटली स्टेडियम में अफ़गानिस्तान के ख़िलाफ़ पहले ज्20प मैच के दौरान उन्हें श्साइड स्ट्रेनश (पसलियों के पास की मांसपेशियों में खिंचाव) की समस्या हो गई थी, जिसके कारण वे फ़िलहाल खेल से दूर रहेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि वरुण अनिश्चित काल के लिए बाहर हो गए हैं। लंबी लिस्ट में से विपराज निगम और कुलदीप यादव दो उपलब्ध विकल्प थे। कुलदीप इस महीने के आखिर में वेस्टइंडीज के खिलाफ़ वनडे मैच खेलेंगे। उनकी जगह बीसीसीआई एशियाई खेलों की टीम में विपराज निगम को शामिल करने जा रही है। दिल्ली कैपिटल्स के इस ऑलराउंडर ने 33 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 157.41 के स्ट्राइक रेट से 244 रन बनाए हैं और खेल के सबसे छोटे फ़ॉर्मेट में 34 विकेट भी लिए हैं। प्च्स् की बात करें तो, 22 साल के इस खिलाड़ी का स्ट्राइक रेट 176.40 है, जो ज्20 क्रिकेट में उनकी काबिलियत को साबित करता है। विपराज को अफ़गानिस्तान। और श्रीलंका। के ख़िलाफ़ ट्राई–सीरीज़ के लिए चुना गया था। इस दौरान, उत्तर प्रदेश के इस क्रिकेटर ने बैटिंग और बॉलिंग, दोनों में ही ज़बरदस्त प्रदर्शन किया। नौवें नंबर पर बैटिंग करते हुए उन्होंने श्रीलंका ए के ख़िलाफ़ हाफ़–सेंचुरी लगाई, जबकि

इस स्पिन–बॉलिंग ऑलराउंडर ने सीरीज़ के दौरान सात विकेट भी लिए। टीम मैनेजमेंट उनके योगदान के लिए उन्हें इनाम दे सकता है और एशियन गेम्स की टीम में शामिल कर सकता है। चूँकि वह निचले क्रम में भी भरोसेमंद बल्लेबाज़ हैं, इसलिए टीम मैनेजमेंट उन्हें भविष्य के खिलाड़ी के तौर पर देख सकता है। प्च्स् में अपनी काबिलियत के मुताबिक खेलने के बावजूद, क्रुणाल पांड्या टीम में जगह नहीं बना पाए। चूँकि टीम मैनेजमेंट रिप्लेसमेंट के तौर पर एक ऑल–राउंडर की तलाश में था, इसलिए बड़ौदा के इस क्रिकेटर को शामिल करना एक बेहतरीन फ़ैसला हो सकता था, लेकिन ऐसा लगता है कि उनका मकसद किसी युवा क्रिकेटर को टीम में लाकर उसे तैयार करना था।

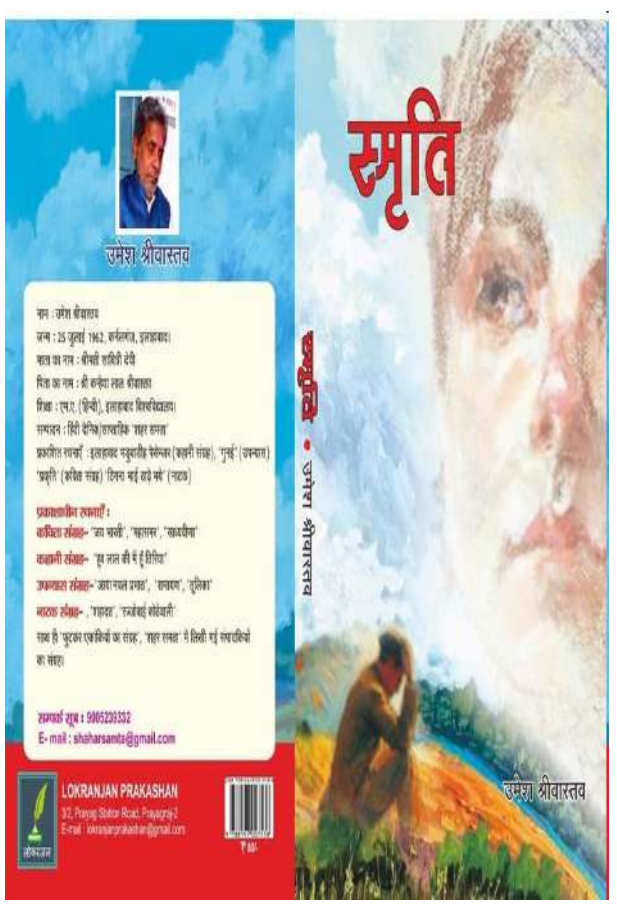

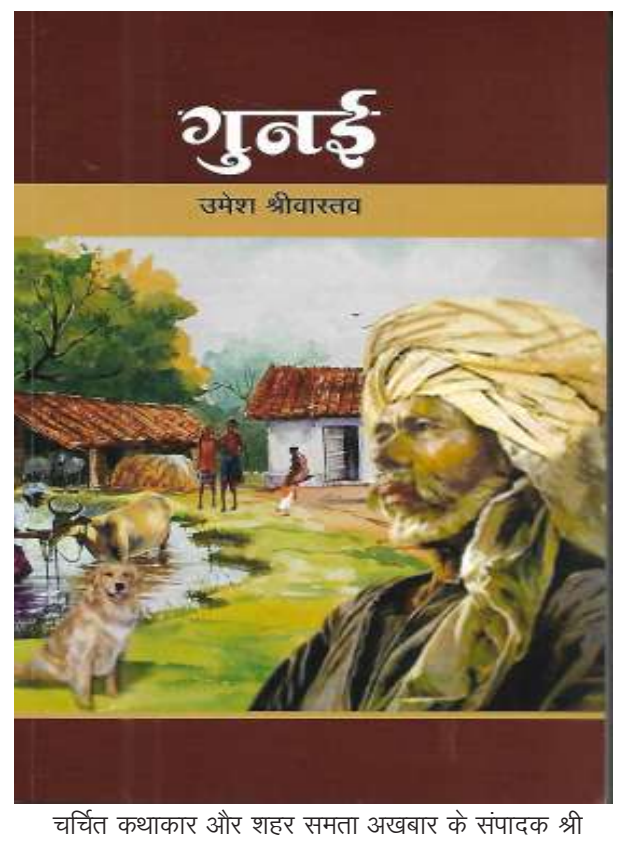

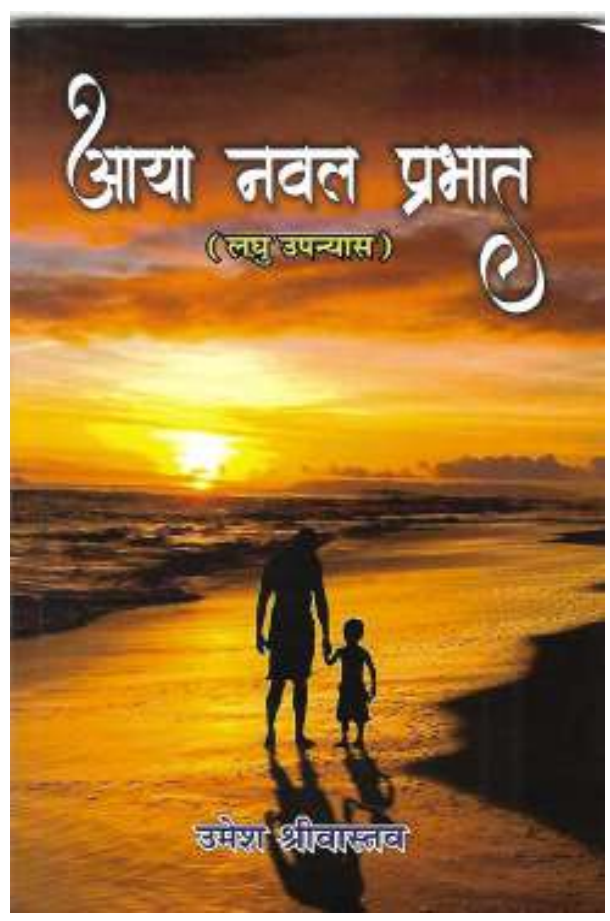

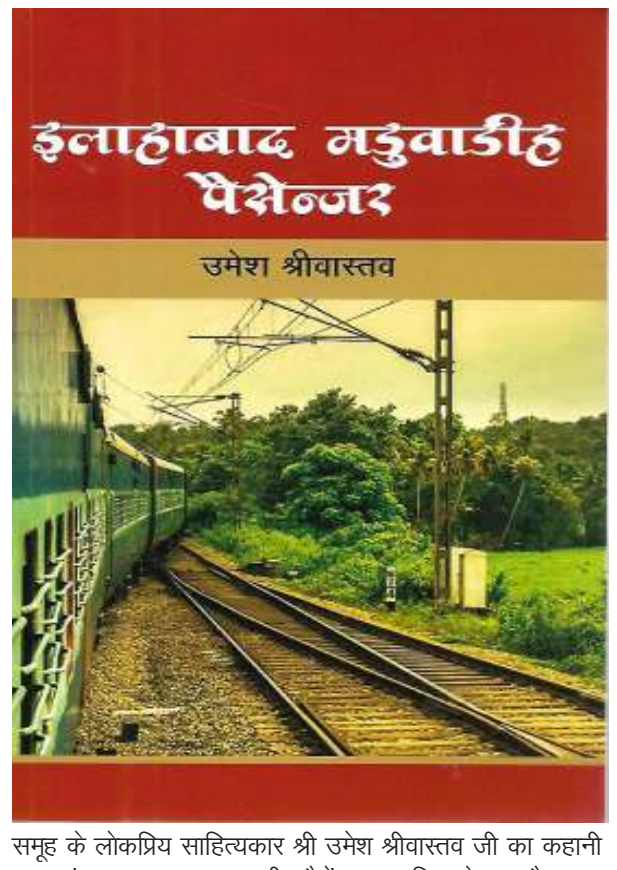

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

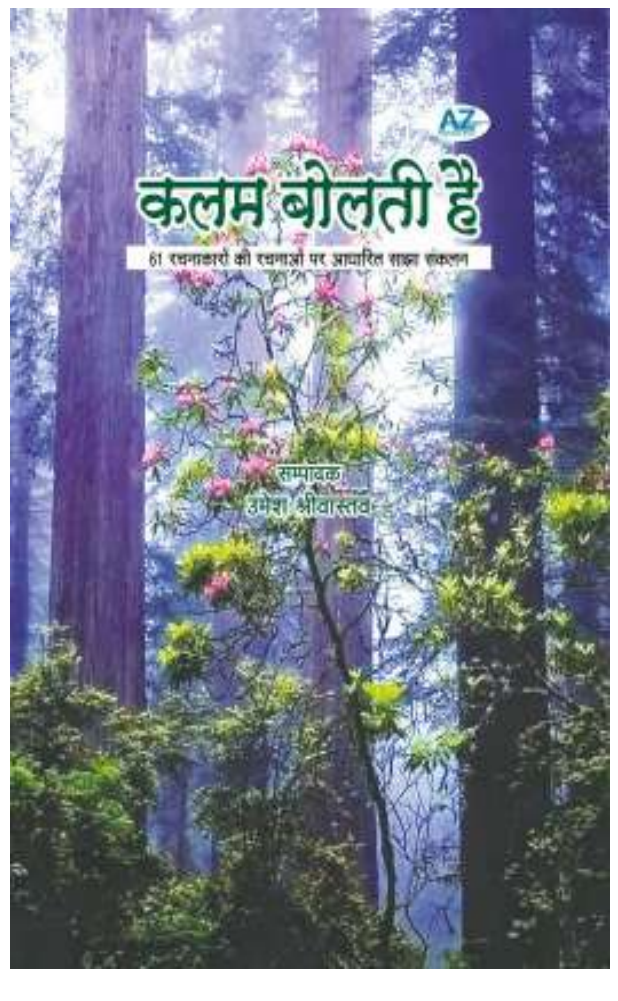

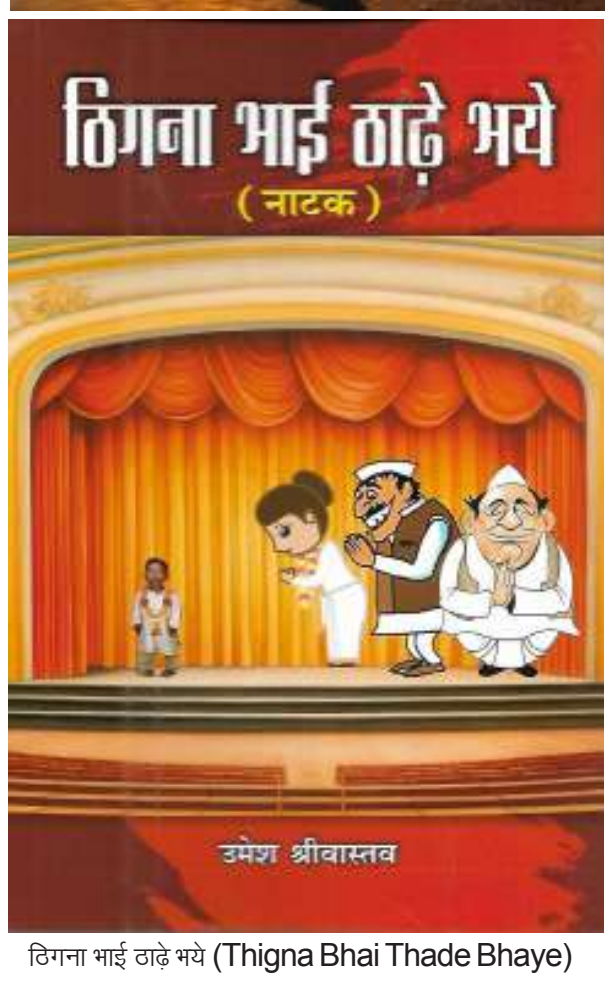

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

यूएस नेवी ने सतही पोत पर कब्जा करने की कोशिश कर रही ईरान की दो नावें नष्ट कीं

अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने इस सप्ताह ईरान के तट के पास समुद्री क्षेत्र में एक ड्रोन पोत को कब्जे में लेने की कोशिश कर रही ईरान की दो छोटी नावों पर गोलीबारी कर उन्हें नष्ट कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने कहा कि ईरान की नावों ने ''अमेरिका के एक मानवरहित सतही पोत पर कब्जा करने की कोशिश की लेकिन सेना की ओर से बलपूर्वक जवाब दिए जाने के बाद उनकी कोशिश नाकाम हो गई।'' वहीं, ईरान की सरकारी मीडिया ने सोमवार को खबर में बताया कि देश के दक्षिणी तट पर स्थित हॉर्मोजगान प्रांत में मछुआरों की दो नावों पर हमला हुआ। प्रांतीय अधिकारी के हवाले से बताया गया कि कई मछुआरे लापता हैं। यह छह महीने से अधिक समय से जारी युद्ध में गोलीबारी की एक और घटना है। दोनों पक्ष होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के हफ्तों में अमेरिका इस महत्वपूर्ण ऊर्जा–परिवहन मार्ग पर ईरान की पकड़ कुछ हद तक कमजोर करने में सफल रहा है। हालांकि, इस संघर्ष के प्रभाव से तेल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ गई हैं, जिससे नवंबर में प्रस्तावित अमेरिकी कांग्रेस के मध्यावधि चुनावों से पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए राजनीतिक मुश्किलें बढ़ गई हैं। हॉकिन्स ने मंगलवार को बताया कि हालिया टकराव समुद्री ड्रोन 'सेलड्रोन' को लेकर था। यह करीब 25 फुट लंबा, मानवरहित पोत है जिसमें स्वतरू संचालित होने की क्षमता है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड पिछले कई वर्षों से समुद्री यातायात पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में इनका इस्तेमाल कर रही है। हॉर्मोजगान के उप–गवर्नर अहमद नफीसी ने समाचार एजेंसी 'इरना' को बताया कि सोमवार शाम फारस की खाड़ी में दो नावों पर एक 'दुश्मन ड्रोन' से हमला किया गया।हालांकि, खबर में ईरानी बलों द्वारा किसी अमेरिकी ड्रोन को कब्जे में लेने की कोशिश का कोई उल्लेख नहीं किया गया।

इजराइल को 2,000 पाउंड वाले 40,000 बम बेचने की तैयारी में इजराइल प्रशासन

अमेरिका के राष्ट्रपति इजराइल का प्रशासन एक प्रस्तावित सैन्य समझौते के तहत इजराइल को 2,000 पाउंड वजन वाले बेहद शक्तिशाली बम देने की योजना बना रहा है। ये वही हथियार हैं, जिनकी आपूर्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने गाजा में भारी तबाही और बड़े पैमाने पर जनहानि की आशंका के कारण रोक दी थी। दो अमेरिकी अधिकारियों

ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर मंगलवार को बताया कि, 2.8 अरब डॉलर के इस पैकेज में कुल 40,000 बम देने की योजना है। हालांकि कि इस योजना को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी कांग्रेस को इस समझौते के बारे में अनौपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। सौदे की अधिकांश राशि विदेशी सैन्य वित्तपोषण के माध्यम से चुकाई जानी है। इसके तहत अमेरिकी करदाताओं के पैसे इजराइल को दिए जाते हैं, और इजराइल उसी राशि का इस्तेमाल अमेरिका से हथियार खरीदने के लिए करता है। यह प्रस्तावित बिक्री इजराइल की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने के ट्रंप प्रशासन की ओर से उठाए जा रहे कदमों की श्रृंखला में नवीनतम है। गाज़ा में जारी संघर्ष के कारण हजारों फलस्तीनी मारे गए हैं और इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। अमेरिका की मध्यस्थता से एक युद्धविराम हुआ था, लेकिन इसके बावजूद हिंसा हुई। हथियार बिक्री संबंधी योजना की जानकारी सबसे पहले 'द वाशिंगटन पोस्ट' ने अपनी खबर में दी। समझौते की तैयारी ऐसे समय में हो रही है, जब हमास के सात अक्टूबर, 2023 के घातक हमले के जवाब में गाजा में शुरू किए गए युद्ध के कारण इजराइल को बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है।

आठ जिलों से और शव मिलने के बाद मृतकों का आंकड़ा पहुंचा 1,399

नेपाल के आठ बाढ़ प्रभावित जिलों से लगातार शव बरामद होने के बाद प्राकृतिक आपदा से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,399 हो गई है। अधिकारियों के मुताबिक चितवन, नवलपरासी और नुवाकोट समेत कई इलाकों में भारी तबाही हुई है। सुरक्षा बलों के संयुक्त बचाव अभियान के बीच 5,170 लोग अब भी लापता हैं, जबकि 13,742 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। नेपाल में बाढ़ प्रभावित आठ जिलों से और शव बरामद किए जाने के साथ ही अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 1,399 हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नेपाल–तिब्बत सीमा के पास 26 अगस्त को अचानक आई बाढ़ ने नेपाल के उत्तरी और मध्य हिस्सों के कस्बों तथा गांवों में भारी तबाही मचाई थी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, चितवन जिले से 364 शव, नवलपरासी पूर्व से 232, नवलपरासी पश्चिम से 222 और नुवाकोट से 202 शव बरामद किए गए हैं। इसके अनुसार इसी तरह, रसुवा से 189, गोरखा से 78, धादिंग से 72 और तनहुं से 38 शव बरामद किए गए हैं। इसके अनुसार काठमांडू में इलाज के दौरान दो अन्य लोगों की भी मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा बलों की संयुक्त कमान द्वारा तलाश और बचाव अभियान लगातार जारी है। अधिकारियों के अनुसार, लापता लोगों की संख्या 5,170 होने का अनुमान है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत के लाडले दोस्त ने अचानक रद्द किया वीजा, 5,000 बांग्लादेशी वर्कर फंसे, माथा पीट रहे तारिक रहमान

छुट्टी पर घर लौटे हज़ारों बांग्लादेशी अब UAE वापस नहीं लौट पा रहे हैं, क्योंकि बिना किसी चेतावनी या वजह बताए उनके वीज़ा अचानक रद्द कर दिए गए। बांग्लादेश के द डेली स्टार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वीज़ा रद्द होने की वजह से करीब 4,800 नागरिक फँस गए हैं। हालाँकि, यह स्थिति सिर्फ़ बांग्लादेशियों के साथ ही नहीं है। कई पाकिस्तानी नागरिकों के भी UAE वीज़ा रद्द कर दिए गए हैं। UAE में लगभग 12 लाख बांग्लादेशी नागरिक रहते और काम करते हैं, जो भारतीयों और पाकिस्तानियों के बाद वहां का तीसरा सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय है। इनमें से ज़्यादातर लोग कंस्ट्रक्शन, मैन्युफैक्चरिंग और ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में काम करते हैं। बहुत से वर्कर्स के लिए घर पर फंसे रहना कोई विकल्प नहीं है। ज़्यादातर लोग वीज़ा और विदेश में नौकरी पाने के लिए रिक्रूटमेंट एजेंटों को मोटी रकम चुकाने के लिए भारी कर्ज़ लेते हैं। उनके परिवार घर पर उन्हीं के भेजे गए पैसे (रेमिटेंस) पर निर्भर होते हैं। यूएई बांग्लादेश के लिए रेमिटेंस का सबसे बड़ा ज़रिया भी है। ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 2023 और 2024 के बीच यूएई में काम करने वाले बांग्लादेशी वर्कर्स ने घर पर 3.65 अरब डॉलर भेजे, जो पिछले साल के मुकाबले 52: ज़्यादा है।

अचानक वीज़ा रद्द होने से चिंता बढ़ी

इस मामले में, बिना किसी चेतावनी या स्पष्टीकरण के वीज़ा रद्द कर दिए गए। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, तारिक रहमान सरकार ने न।म के सामने यह मामला उठाया है और वीज़ा रद्द करने के फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की है। प्रभावित लोगों में अबुल कलाम आज़ाद भी शामिल थे, जो 27 साल से UAE में रह रहे थे। आज़ाद 7 अप्रैल को बांग्लादेश लौट आए। 24 जुलाई को उन्हें एक ईमेल मिला जिसमें बताया गया कि उनका UAE वीज़ा रद्द कर दिया गया है। आज़ाद ने कहा, इसमें कोई कारण नहीं बताया गया था। कई अन्य लोगों ने भी ऐसे ही अनुभव बताए; उन्हें जुलाई के दौरान ईमेल या मैसेज के ज़रिए वीज़ा रद्द होने की सूचना मिली। पिछले हफ़्ते, प्रभावित लगभग 350 बांग्लादेशियों ने तत्काल मदद की मांग को लेकर ढाका के नेशनल प्रेस क्लब में सरकार के साथ एक बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने पांच सूत्रीय मांगें रखीं, जिनमें प्रभावित लोगों के पुनर्वास और आर्थिक सहायता की मांग शामिल थी। उन्होंने अपने परिवारों की मदद के लिए 15,000–20,000 बांग्लादेशी टका (12,000–16,000 रुपये) की मासिक सहायता की भी मांग की। प्रभावित प्रवासियों ने सरकार से यह भी अपील की है कि अगर UAE उनके लिए रास्ते बंद कर देता है, तो सरकार उन्हें दूसरे देशों में नौकरी दिलाने में मदद करे। चिंता की एक और वजह यह है कि UAE के अधिकारियों की ओर से कोई कारण या स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। प्रभावित एक बांग्लादेशी ने कहा कि UAE में उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला या कानूनी समस्या नहीं है। उन्होंने कहा वहां मेरे दो बिज़नेस हैं और मेरी पत्नी भी वहीं है। मुझे दुबई में होना चाहिए था, लेकिन अब हम समाधान के लिए दर–दर भटक रहे हैं। बांग्लादेश सरकार ने कहा कि उसे इस घटना की जानकारी है।

एस. जयशंकर पहुंचे भूटान, पारो में विदेश मंत्री डीएन ढुंगेल ने किया स्वागत

विदेश मंत्री एस. जयशंकर 16–17 सितंबर तक भूटान की अपनी आधिकारिक यात्रा के तहत बुधवार को पारो पहुँचे। उन्होंने कहा कि वह भूटान के साथ भारत के खास दोस्ती के रिश्तों को और आगे बढ़ाने वाली बातचीत को लेकर उत्साहित हैं। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा, कुजुज़ांगपो ला भूटान! आज पारो पहुँचकर बहुत खुशी हुई। गर्मजोशी से स्वागत के लिए ल्योंपो डी. एन. ढुंगेल @FMBhutan का धन्यवाद। विदेश मंत्री का स्वागत करने के लिए भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डीएन ढुंगेल मौके पर मौजूद थे। जयशंकर ने कहा कि वह हमारी दोस्ती के अनोखे रिश्तों को आगे बढ़ाने के लिए होने वाली मुलाकातों का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। जयशंकर, भूटान के विदेश और बाहरी व्यापार मंत्री ढुंगेल के न्योते पर 16–17 सितंबर तक भूटान की आधिकारिक यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस यात्रा के दौरान जयशंकर भूटान के विदेश मंत्री के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। वह भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक से भी मुलाकात करेंगे और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से भी मिलेंगे। मंत्रालय ने कहा, ष्यह यात्रा भारत और भूटान के बीच नियमित उच्च–स्तरीय आदान–प्रदान की परंपरा के अनुरूप है और इसका मकसद दोनों देशों के बीच दोस्ती और सहयोग के मौजूदा करीबी रिश्तों को और मजबूत करना है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत अपनी नेबरहुड फर्स्ट (पड़ोसी पहले) नीति को बहुत अहमियत देता है। भूटान के साथ पहले हुई मुलाकातों की बात करें तो, अगस्त में नई दिल्ली में सीमा–पार नदियों पर सहयोग को लेकर एक उच्च–स्तरीय द्विपक्षीय बैठक हुई थी। इसमें भूटान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधन मंत्री ल्योनपो जेम शेरिंग ने किया था और भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने किया था। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान जल संसाधन क्षेत्र में भारत और भूटान के बीच चल रहे सहयोग की समीक्षा की। इसमें सीमा–पार नदियों के प्रबंधन, बाढ़ की भविष्यवाणी और प्रबंधन, हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करने और आपसी हित के अन्य क्षेत्रों पर खास तौर पर ध्यान दिया गया। मंत्रियों ने पुनातसांगचू–I पनबिजली परियोजना की प्रगति की भी समीक्षा की, जिसे भारत की साझेदारी में भूटान में लागू किया जा रहा है, और इसे तेज़ी से पूरा करने के उपायों पर चर्चा की। इसके अलावा, दोनों प्रतिनिधिमंडलों ने भूटान में म ा ॅ ज ू द ा हाइड्रो–मेटियोरोलॉजिकल नेटवर्क को अपग्रेड और मज़बूत करने के प्रस्तावों पर रचनात्मक चर्चा की। साथ ही, सीमा–पार नदियों पर हाइड्रोलॉजिकल डेटा साझा करने की मौजूदा व्यवस्था के तहत सहयोग का दायरा बढ़ाने पर भी बातचीत हुई।

मक्का के पास सऊदी एयर डिफेंस ने हूथी ड्रोन को किया ढेर

गठबंधन ने दी 'रेड लाइन' की सख्त चेतावनी

मिडिल ईस्ट में जारी भीषण युद्ध और अस्थिरता के बीच एक बेहद संवेदनशील और चिंताजनक घटनाक्रम सामने आया है। सऊदी अरब की वायु रक्षा सेना ने इस्लाम के सबसे पवित्र शहर मक्का के पास यमन के हूथी विद्रोहियों द्वारा भेजे गए एक आत्मघाती ड्रोन को हवा में ही मार गिराया। इस घटना के तुरंत बाद सऊदी–नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने हूथियों को सीधे तौर पर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पवित्र स्थलों की सुरक्षा उनके लिए एक रेड लाइन है। सऊदी–नेतृत्व वाले गठबंधन के आधिकारिक प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल–मल्की के अनुसार, मंगलवार शाम (15 सितंबर) को मक्का के दक्षिण में इस ड्रोन को तब इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया गया, जब वह प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने ही वाला था।

सऊदी गठबंधन ने मक्का को लेकर हूथियों को चेतावनी दी

अल–मल्की ने कहा कि दो पवित्र मस्जिदों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा एक ष्रेड लाइनष् है। उन्होंने कहा कि गठबंधन की संयुक्त सेना कमान हूथियों के खिलाफ जरूरी और कड़े कदम उठाने में संकोच नहीं करेगी। सऊदी–नेतृत्व वाले गठबंधन ने इस घटना को मक्का को निशाना बनाने की दूसरी कथित कोशिश बताया। उन्होंने जुलाई 2017 में बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की पिछली घटना का जिक्र किया, जिसके बारे में सऊदी अधिकारियों ने कहा था कि उसका लक्ष्य भी पवित्र शहर था। अल–मल्की ने कहा कि ताजा घटना ने दुनिया भर के मुसलमानों के लिए बहुत धार्मिक महत्व वाले शहर को खतरे में डाल दिया और इससे तीर्थयात्रियों, नागरिकों और निवासियों की जान को खतरा हो सकता था।इसे भी पढ़ेंरू डमबबं च्बज सिर्फ नाम का, पाकिस्तान नहीं किसी काम का, अब मदद की गुहार के साथ इजरायल की तरफ सऊदी ने किया रुख

हूथियों ने सऊदी दावे को खारिज किया

यह घटनाक्रम यमन में सैन्य अभियानों को लेकर सऊदी अरब और हूथी आंदोलन के बीच बढ़ते आरोपों–प्रत्यारोपों के बीच हुआ है। हूथी सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने पहले दावा किया था कि सऊदी लड़ाकू विमानों ने खमीस मुशेत और ताइफ एयरबेस से थ–15 और टाइफून लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल करते हुए 24 घंटे की अवधि में 52 हवाई हमले किए। सरी ने आरोप लगाया कि इन हमलों में ताइज़ प्रांत में स्कूलों, पुलों और सड़कों सहित नागरिक बुनियादी ढांचे के साथ–साथ अल–जौफ, अल–बैदा, सादा और अमरान में भी लक्ष्य बनाए गए। इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। हूथी प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि कथित सऊदी हमलों का जवाब दिया जाएगा। हूथियों ने सऊदी अरब द्वारा ताजा घटना को मक्का को निशाना बनाने की कोशिश बताने के दावे का भी खंडन किया है।

यमन संघर्ष से इलाके में तनाव बढ़ा

यह ताज़ा घटना यमन, सऊदी अरब और हूथी विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के माहौल में हुई है। इन घटनाक्रमों से रणनीतिक रूप से अहम श्बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्यश (स्ट्रेट) को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं; यह लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाला एक प्रमुख समुद्री रास्ता है। हूथी विद्रोही पहले भी इस इलाके में कमर्शियल जहाजों को निशाना बना चुके हैं, जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं और बढ़ गई हैं, क्योंकि पश्चिम एशिया में तनाव लगातार फैल रहा है।

ईरान में जारी युद्ध रोकने के लिए यूएस हाउस में प्रस्ताव पारित, डोनल्ड ट्रंप के अधिकारों पर रोक की तैयारी

ईरान में जारी युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में तीसरी बार मतदान किया गया। सदन ने युद्ध शक्तियों संबंधी एक प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कांग्रेस की मंजूरी के बिना सैन्य कार्रवाई जारी रखने की क्षमता पर रोक लगाई जा सकेगी। मंगलवार देर रात हुए मतदान में प्रस्ताव 220–204 मतों से पारित हुआ। इस बार पहले की तुलना में कुछ और रिपब्लिकन सांसद भी अधिकतर डेमोक्रेट

सांसदों के साथ युद्ध समाप्त करने के पक्ष में शामिल हुए। हालांकि, इनमें से कोई भी प्रस्ताव राष्ट्रपति की मेज तक नहीं पहुंचा है और वहां पहुंचने पर ट्रंप द्वारा इसे वीटो किए जाने की लगभग पूरी संभावना है। मैसाचुसेट्स के डेमोक्रेट सांसद सेथ मौल्टन, जो इराक युद्ध के दौरान नौसैनिक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं और इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने में सक्रिय रहे, ने कहा, ''याद कीजिए, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि यह युद्ध केवल कुछ हफ्तों तक चलेगा?'' उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस संविधान के निर्देश के अनुसार ''वास्तव में कठिन सवाल पूछे, बजाय इसके कि वह एक और युद्ध समर्थक प्रशासन के अधीन हो जाए।'' फ्लोरिडा के रिपब्लिकन सांसद और 'हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी' के अध्यक्ष ब्रायन मैस्त ने सवाल उठाया कि डेमोक्रेट क्षेत्र से किन सैन्य संसाधनों को हटाना चाहते हैं, जहां उनके अनुसार ईरान अब भी खतरा बना हुआ है। मैस्त ने कहा कि ट्रंप ''हमेशा चलने वाले युद्धों के खिलाफ हैं और वे ईरान के साथ दशकों से चले आ रहे टकराव को समाप्त कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे (ईरान) लगातार अमेरिका के लिए खतरा बने हुए हैं। अब बहुत हो गया।'' यह मध्यावधि चुनावों से पहले ईरान युद्ध पर प्रतिनिधि सभा का आखिरी मतदान हो सकता है। विदेशों में चल रहा संघर्ष आगामी चुनावों में, राजनीतिक अभियानों में महत्वपूर्ण मुद्दा बना हुआ है।

न्यूज़ीलैंड की संसद ने भारत के साथ ट्रेड डील बिल पास किया, 95% एक्सपोर्ट पर टैरिफ में छूट मिलेगी

न्यूज़ीलैंड की संसद ने बुधवार को भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते को कानूनी रूप देने के लिए एक ऐतिहासिक विधेयक पारित कर दिया है। इस नए कानून के प्रभाव में आते ही न्यूज़ीलैंड से भारत भेजे जाने वाले लगभग 95 प्रतिशत निर्यात उत्पादों पर सीमा शुल्क या तो पूरी तरह समाप्त कर दिया जाएगा या उसमें काफी कटौती की जाएगी। संसद में यह महत्वपूर्ण विधेयक 93–29 के विशाल अंतर से पास हुआ, जिसमें सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ–साथ मुख्य विपक्षी दल लेबर पार्टी का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।